www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 शिक्षा में इतिहास या राजनीति, कांग्रेस ने भविष्य की रक्षा के लिए कठिन निर्णय लिया

गाजा में सीजफायर पर हमास सहमत 06

वर्ष :17 | अंक :140 | प्रयागराज , बुधवार 20 अगस्त, 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

सेना के जवान से मारपीट के मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार, टोल कंपनी पर 20 लाख जुमार्ना

उत्तर प्रदेश के मेरठ में एक टोल बूथ पर हुए विवाद के दौरान एक सेना के जवान को खंभे से बांधकर पीटा गया। जवान पर हमला करने का एक वीडियो ऑनलाइन वायरल होने के बाद, छह टोल बूथ कर्मचारियों को गिरफ्तार कर लिया गया था।कपिल कवाड़, भारतीय सेना की राजपूत रेजिमेंट में हैं।वह छुट्टियों में घर आए थे और श्रीनगर स्थित अपनी पोस्ट पर जाने के लिए दिल्ली हवाई अड्डे जा रहे थे। कपिल और उनके चचेरे भाई भीड़भाड़ वाले भूनी टोल बूथ पर फंस गए। अपनी उड़ान के लिए देर होने की चिंता में, कपिल कार से बाहर निकले और टोल बूथ कर्मचारियों से बात करने लगे। ताजा अपडेट के अनुसार मेरठ जिले में एक टोल प्लाजा पर सेना के एक जवान के साथ टोल कर्मचारियों द्वारा मारपीट किए जाने के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह गिरफ्तारी सोमवार रात की गई और इस मामले में अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।इस बीच, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने टोल कंपनी पर 20 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया।

महिला डॉक्टर की बेरहमी से पिटाई, अब तक पुलिस ने किया 2 पर मुकदमा दर्ज

अस्पताल में डॉक्टरों के साथ मारपीट करने की वारदातें काफी आम होती जा रही है।इस मामले में कई बार डॉक्टर कम्युनिटी ने कई बार विरोध प्रदर्शन किए है। लेकिन कुछ साथ फायदा नहीं हुआ। हालात अभी भी वैसे ही जान पड़ते हैं। ताजा मामला महिला डॉक्टर के साथ मारपीट का है। गौतमबुद्ध नगर जिले के दनकौर क्षेत्र में एक महिला चिकित्सक से मारपीट करने और उसका वीडियो बनाने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पार्क व्यू गौर सिटी निवासी डॉ. सुमन सिंह की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई है और आरोपियों में से एक महिला चिकित्सक का परिचित है। दनकौर थाना प्रभारी मुनेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि यह घटना 17 अगस्त की है, जब आरोपियों में से एक नितिन भाटी ने महिला कोमिलने के लिए बुलाया था। उन्होंने बताया कि थाना क्षेत्र के एक ढाबे के पास दोनों बातचीत कर रहे थे, तभी मोहित भाटी भी वहां पहुंचा और उसने महिला से अभद्रता शुरू कर दी। सिंह ने बताया कि जब महिला चिकित्सक ने इसका विरोध किया

नेहरू ने देश को 2 बार बांटा, सिंधु जल संधि से नहीं हुआ कोई फायदा

एनडीए सांसदों की बैठक में बोले पीएम मोदी

संसदीय बैठक

मोदी ने कहा कि नेहरू ने एक बार देश का विभाजन किया और फिर दोबारा। सिंधु जल संधि के तहत, 80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान को दे दिया गया। बाद में, अपने सचिव के माध्यम से, नेहरू ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा कि इससे कोई लाभ नहीं हुआ।

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की संसदीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 'स्वीकार' किया था कि पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि से भारत को कोई लाभ नहीं हुआ। सूत्रों के अनुसार पीएम मोदी ने कहा कि नेहरू ने देश का दो बार विभाजन किया था, एक बार रेडक्लिफ रेखा के साथ और

मौजूदा कोटा हवाई अड्डा भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के स्वामित्व में है।इसमें 1220 मीटर७38 मीटर आकार का एक रनवे (08/26) है, जो कोड 'बी' विमानों (जैसे डीओ-228) के लिए उपयुक्त है, और एक एप्रन है जो ऐसे दो विमानों को समायोजित कर सकता है। टर्मिनल भवन 400 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला है और व्यस्त समय में 50 यात्रियों को संभालने में सक्षम है। हवाई अड्डे के आसपास अपर्याप्त भूमि उपलब्धता और शहरीकरण के कारण मौजूदा हवाई अड्डे को वाणिज्यिक संचालन के लिए विकसित नहीं किया जा सकता है।

दूसरी बार उस संधि के दौरान, जिसके तहत नदी का 80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान को दे दिया गया था। पीएम मोदी ने कहा कि यह समझौता किसान विरोधी भी था। मोदी ने कहा कि नेहरू ने एक बार देश का विभाजन किया और फिर दोबारा। सिंधु जल संधि के तहत, 80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान को दे दिया गया। बाद में, अपने सचिव के माध्यम से, नेहरू ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा कि इससे कोई लाभ नहीं हुआ। बैठक में मौजूद भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर करने को नेहरू द्वारा विश्वासघात बताया और कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री को इसके लिए संसद की मंजूरी लेनी चाहिए थी।

मोदी सरकार का बड़ा तोहफा, कोटा-बूंदी एयरपोर्ट को मंजूरी, कटक-भुवनेश्वर में बनेगा 6 लेन रिंग रोड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने आज कोटा-बूंदी (राजस्थान) में 1507.00 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से ग्रीन फील्ड हवाई अड्डे के विकास हेतु भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। चंबल नदी के तट पर स्थित कोटा, राजस्थान की औद्योगिक राजधानी के रूप में जाना जाता है। इसके अतिरिक्त, कोटा भारत के शैक्षिक कोचिंग केंद्र के रूप में भी प्रसिद्ध है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, राजस्थान सरकार ने ए-321 प्रकार के विमानों के संचालन हेतु उपयुक्त ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के विकास हेतु एएआई को 440.06 हेक्टेयर भूमि हस्तांतरित की है

अगली बार राहुल गांधी को पीएम बनाएंगे

वोटर अधिकार यात्रा में तेजस्वी यादव का ऐलान, भाजपा ने किया रिएक्ट

राजद नेता ने कहा कि अगले लोकसभा चुनाव होने पर हम राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने की दिशा में काम करेंगे। बिहार के नवादा में 'मतदाता अधिकार' रैली का नेतृत्व करते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की मौजूदगी में यादव ने यह टिप्पणी की।

एजेंसी

राजद नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को कहा कि अगले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए विपक्ष मिलकर काम करेगा। उनकी टिप्पणी से इस बात के स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि 2029 के आम चुनावों में राहुल गांधी को इंडिया ब्लॉक के प्रधानमंत्री पद के चेहरे के रूप में पेश किया जा सकता है। राजद नेता ने कहा कि अगले लोकसभा चुनाव होने पर हम राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने की दिशा में काम करेंगे। बिहार के नवादा में 'मतदाता अधिकार' रैली का नेतृत्व करते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की मौजूदगी में यादव ने यह टिप्पणी की। रैली को संबोधित करते हुए, यादव ने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि युवा पीढ़ी को राज्य चलाने का मौका मिले। यादव ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार 'खटारा' हो गई है और इसे तुरंत बदलने की जरूरत है। युवाओं को अब मौका मिलना चाहिए... हमारे पास बिहार के लिए एक विजन है। युवाओं ने संकल्प लिया है कि वे इस पुरानी और जर्जर सरकार को सत्ता से हटाएँगे और अगले लोकसभा चुनावों के बाद राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाएँगे। उन्होंने कहा कि हमारे पास बिहार के लिए दृष्टिकोण हैं। युवाओं ने संकल्प लिया है कि वे इस पुरानी और खटारा सरकार को सत्ता से हटाएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि अगले लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनें।

'हमारी सरकार आई तो देख लेंगे', बिहार की धरती से राहुल गांधी की चेतावनी

गया/नवादा : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इन दिनों बिहार में यात्रा पर हैं. इस दौरान वह लगातार चुनाव आयोग को निशाने पर ले रहे हैं. यही नहीं उन्होंने धमकी भरे लहजे में कहा कि हमारी सरकार आई तो देख लेंगे. उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र और हरियाणा का चुनाव चोरी किया गया है. क्या बोले राहुल गांधी? : वोटर अधिकार यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि, सालों से लग रहा था कि चुनाव में कोई न कोई गड़बड़ी हो रही है. महाराष्ट्र में साफ पता लगा कि लोकसभा और विधानसभा के बीच में चार महीनों में एक करोड़ नए वोटर जादू से चुनाव आयोग ने पैदा कर दिए.

पूर्व न्यायाधीश सुदर्शन रेड्डी होंगे उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष के उम्मीदवार

सीपी राधाकृष्णन से होगा मुकाबला

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उपराष्ट्रपति पद का यह चुनाव एक वैचारिक लड़ाई है और सभी विपक्षी दल इस पर सहमत हैं और यही कारण है कि हमने बी सुदर्शन रेड्डी को संयुक्त उम्मीदवार के रूप में नामित किया है।

एजेंसी

कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, विपक्ष ने उपराष्ट्रपति चुनाव की रणनीति पर इंडिया ब्लॉक के सहयोगियों के साथ चर्चा की थी. दक्षिण भारत से एक उम्मीदवार उतारने का फैसला किया था. आंध्र प्रदेश के जस्टिस रेड्डी के अलावा, विपक्ष ने तमिलनाडु के पूर्व इसरो वैज्ञानिक एम अन्नादुरई, जो एक पेशेवर और गैर-राजनीतिक व्यक्ति हैं

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को आगामी उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष का उम्मीदवार घोषित किया गया है। उनका मुकाबला एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से होगा। इस चुनाव से एक रोमांचक राजनीतिक मुकाबले की उम्मीद है क्योंकि मतदान से पहले दोनों ही खेमे समर्थन जुटा रहे हैं। यह घोषणा मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने की। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उपराष्ट्रपति पद का यह चुनाव एक वैचारिक लड़ाई है और सभी विपक्षी दल इस पर सहमत हैं और यही कारण है कि हमने बी सुदर्शन रेड्डी को संयुक्त उम्मीदवार के रूप में नामित किया है। खड़गे ने कहा कि बी. सुदर्शन रेड्डी भारत के सबसे प्रतिष्ठित और प्रगतिशील न्यायविदों में से एक हैं। उनका एक लंबा और प्रतिष्ठित कानूनी करियर रहा है, जिसमें आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में कार्य शामिल है। वे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के एक निरंतर और साहसी समर्थक रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे एक गरीब व्यक्ति हैं और यदि आप उनके कई फैसले पढ़ेंगे, तो आपको पता चलेगा कि कैसे उन्होंने गरीब लोगों का पक्ष लिया और संविधान और मौलिक अधिकारों की रक्षा की। पिछले हफ़्ते, सत्तारूढ़ एनडीए ने अनुभवी भाजपा नेता 67 वर्षीय राधाकृष्णन को अपना उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया। वे वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं और तमिलनाडु से हैं। लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों वाले निर्वाचक मंडल में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के पास स्पष्ट बहुमत होने के कारण, राधाकृष्णन की जीत निश्चित है।

मुंबई में भारी बारिश- मोनोरेल में 500 यात्री फंसे:शीशे तोड़कर किया गया रेस्क्यू

14 ट्रेन कैंसिल, 250 फ्लाइट्स लेट; महाराष्ट्र में दो दिन में 14 मौतें

मुंबई में मंगलवार सुबह से भारी बारिश हो रही है। इसका असर सड़क और रेल लाइनों पर पड़ा है। आज लोकल ट्रेनें पूरी तरह से बाधित रहीं। इसके बाद मोनोरेल भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। भक्ति पार्क और मैसूर कॉलोनी के बीच चलने वाली मोनोरेल अचानक बंद हो गई।

एजेंसी

महाराष्ट्र के कई जिलों में मंगलवार को तेज बारिश जारी है। मुंबई में मैसूर कॉलोनी रेलवे स्टेशन के पास एक मोनोरेल ट्रेन फंस गई। ट्रेन में 500 से ज्यादा यात्री मौजूद हैं। एसी बंद होने की वजह से लोगों को सांस लेने में भी परेशानी हो रही है। क्रेन की मदद से यात्रियों को बाहर निकाला जा रहा है। इसके अलावा सेंट्रल रेलवे ने 14 ट्रेनें (7 जोड़ी) कैंसिल कर दी हैं। 250 से ज्यादा फ्लाइट देरी से उड़ रही हैं। लोकल ट्रेन सर्विस भी प्रभावित है। बीते दो दिन में 14 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से 8 नांदेड़ से थे। अगले 48 घंटे मुंबई, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिले में रेड अलर्ट है।

यह मोनोरेल 6:15 बजे से रुकी हुई है। मोनोरेल रुकने के बाद उसका एसी भी बंद हो गया। काफी देर बाद भी मोनोरेल शुरू न होने से उसमें सवार यात्री परेशान रहे। इसी दौरान वहां एक और मोनोरेल आ गई। चर्चा थी कि यह मोनोरेल फंसी हुई गाड़ी को खींच ले जाएगी। लेकिन ऐसा संभव नहीं हो सका। इस दौरान सवा घंटे से ज्यादा समय बीत चुका है। इससे लोग डरे हुए हैं। इस मोनोरेल के दरवाजे बंद हैं और एसी बंद है। इससे लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है।

गाड़ी की बिजली गुल हो गई है

यात्री डरे हुए हैं क्योंकि गाड़ी नहीं चल रही है। कई यात्री अंदर से चिल्ला रहे हैं कि हमें बाहर निकालो। कई जोर-जोर से दरवाजा पीट रहे हैं। वे हमें बाहर निकालने की अपील कर रहे हैं। इस भयावह स्थिति में दमकल विभाग मौके पर पहुंच गया है। संभव है कि दमकल विभाग क्रेन की मदद से लोगों को बाहर निकाल पाए। दमकल विभाग मोनोरेल का आपातकालीन दरवाजा तोड़कर बचाव अभियान चलाएगा।

हिमाचल में जारी है बारिश का तांडव, कूल्लू में फटा बादल, ब्यास नदी पर बने भूतनाथ पुल के पास सड़क क्षतिग्रस्त

एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में भूतनाथ पुल के पास सड़क का एक हिस्सा मंगलवार को भारी बारिश और ब्यास नदी में बढ़ते जलस्तर के कारण क्षतिग्रस्त हो गया। लगातार बारिश, भूस्खलन और अवरुद्ध सड़कों को देखते हुए, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) द्वारा जारी एक आधिकारिक निर्देश के अनुसार, कुल्लू जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों को मंगलवार को बंद रखने का आदेश दिया गया है। आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 30 और 34 (एम) के तहत उपायुक्त और डीडीएमए अध्यक्ष तोरुल एस. रवीश द्वारा जारी आदेश में कहा गया है ।

'राजनीतिक लाभ के लिए इतिहास के साथ छेड़छाड़ करना गलत'

एनसीईआरटी विवाद पर बोले उमर अब्दुल्ला

उमर ने इतिहास में राजनीतिक हस्तक्षेप की आलोचना की. उन्होंने कहा कि, अंग्रेजों ने हमें बर्बाद कर दिया.

एजेंसी

श्रीनगरः जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को राजनीतिक दलों को अपने एजेंडे के हिसाब से इतिहास को दोबारा लिखने के खिलाफ आगाह किया है. उन्होंने जोर देकर कहा कि छात्रों को ईमानदारी से तथ्य पढ़ाए जाने चाहिए और उन्हें अपनी राय बनाने की अनुमति दी जानी चाहिए. श्रीनगर के एसकेआईसीसी में स्कूल शिक्षा निदेशालय कश्मीर की तरफ से आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) पर एक सेमिनार में भाग लेने के बाद सीएम उमर ने संवाददाताओं से यह बात कही. उन्होंने कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए इतिहास के साथ छेड़छाड़ करना गलत था. उन्होंने कहा कि, सरकारें बदलती हैं और यदि एक पार्टी आज इतिहास को फिर से लिखती है, तो दूसरी पार्टी कल वही कर सकती है. उन्होंने कहा कि, बच्चों को वास्तविक इतिहास सीखने दें. बच्चों को इतिहास का निष्कर्ष निकालने देना चाहिए. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के संशोधित मॉड्यूल पर विवाद पर एक सवाल का जवाब देते हुए विभाजन को मुहम्मद अली जिन्ना और कांग्रेस दोनों से जोड़ते हुए, उमर ने इतिहास में राजनीतिक हस्तक्षेप की आलोचना की.

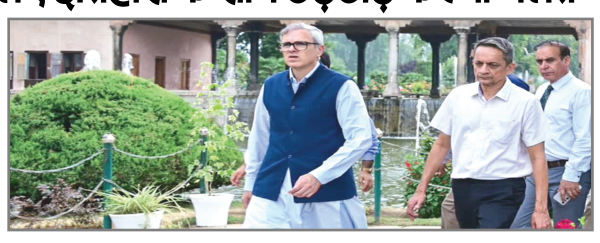

फिर विवादों में घिरे बालमुकुंद आचार्य, मुस्लिम युवक से कहा-वंदे मातरम बोलो

महाराष्ट्र के अंसारी मोहम्मद राशिद नामक शिक्षक को उनकी दाढ़ी से मुसलमान बताते हुए, आचार्य ने उनसे वंदे मातरम का नारा लगाने पर जोर दिया। राशिद के कथित इनकार के कारण ही आचार्य ने कार्यक्रम के दौरान इस मुद्दे पर बार-बार जोर दिया। आचार्य ने रशीद की वफादारी पर सवाल उठाते हुए कहा कि आप इस देश से खाते हैं, लेकिन इसके प्रति वफादार नहीं हैं।

एजेंसी

राजस्थान के विधायक बालमुकुंद आचार्य द्वारा एक शिक्षक को वंदे मातरम और भारत माता की जय का नारा लगाने से कथित तौर पर इनकार करने पर फटकार लगाने का एक वीडियो वायरल हो गया है, जिससे विवाद खड़ा हो गया है। यह घटना इस महीने की शुरूआत में जयपुर के वैशाली नगर स्थित एक होटल में हिंदुस्तान बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा आयोजित एक निजी सम्मान समारोह के दौरान हुई थी। शिक्षकों को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में देश भर के स्कूलों के अधिकारियों ने भाग लिया।

निशाना कहा- मध्यम वर्ग के खिलाफ है यह कानून

स्कूल फीस बिल पर आप का निशाना

एजेंसी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को निजी स्कूलों की फीस को नियंत्रित करने वाले नए शिक्षा विधेयक की आलोचना करते हुए इसे मध्यम वर्ग के अभिभावकों और छात्रों के खिलाफ बताया। भारद्वाज ने आगे कहा कि पार्टी ने इस कानून के खिलाफ एक अभियान शुरू किया है और फीस वृद्धि के बारे में अभिभावकों में जागरूकता बढ़ाने के लिए दिल्ली भर के निजी स्कूलों के बाहर पर्चे बांट रही है। भारद्वाज ने राष्ट्रीय राजधानी में संवाददाताओं से कहा कि निजी स्कूलों की फीस को लेकर एक नया शिक्षा कानून बनाया गया है। यह पूरी तरह से निजी स्कूल मालिकों के लिए बनाया गया है और मध्यम वर्ग और बच्चों के अभिभावकों के खिलाफ है। इसके लिए हमने आज एक अभियान शुरू किया है, जिसके तहत हम दिल्ली के सभी विधानसभा क्षेत्रों में निजी स्कूलों के बाहर ये पर्चे बांट रहे हैं। हम अभिभावकों को जागरूक करने के लिए इन्हें बांट रहे हैं... और इसमें इस बारे में कोई प्रावधान नहीं है कि 1 अप्रैल से लागू की गई फीस वृद्धि को कैसे वापस लिया जाएगा। इससे पहले, 6 अगस्त को, आप ने सरकार पर हमला बोलते हुए स्कूल फीस विनियमन विधेयक को अभिभावक विरोधी और प्रबंधन समर्थक करार दिया था। पार्टी ने अभिभावकों के अधिकारों की रक्षा के लिए चार प्रमुख संशोधन भी प्रस्तावित किए। दिल्ली विधानसभा में आप की वरिष्ठ नेता और विपक्ष की नेता आतिशी ने बताया कि आप ने स्कूलों का ऑडिट अनिवार्य करने, अभिभावकों का निर्वाचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने, शिकायतों की आसान सीमा तय करने और समिति के फैसलों को अदालत में चुनौती देने के अधिकार संबंधी प्रस्ताव पेश किए हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, विधानसभा की नेता आतिशी ने कहा कि भाजपा विधायकों को अब अपने वोटों के जरिए यह साबित करना होगा कि वे दिल्ली के अभिभावकों के साथ हैं या निजी स्कूलों के मुनाफाखोरों के साथ। आप विधायक संजीव झा और कुलदीप कुमार के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए आतिशी ने कहा, भाजपा के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार निजी स्कूलों की फीस को नियंत्रित करने के लिए एक विधेयक लेकर आई है - यह विधेयक अप्रैल से ही चर्चा में है। उस महीने, पूरी दिल्ली में अफरा-तफरी मची हुई थी।

निजी स्कूल मनमाने ढंग से फीस बढ़ा रहे थे, बच्चों को कक्षाओं से बाहर निकाल रहे थे, उन्हें पुस्तकालयों में बंद कर रहे थे।

भारद्वाज ने आगे कहा कि पार्टी ने इस कानून के खिलाफ एक अभियान शुरू किया है और फीस वृद्धि के बारे में अभिभावकों में जागरूकता बढ़ाने के लिए दिल्ली भर के निजी स्कूलों के बाहर पर्चे बांट रही है।

क्या वे घुसपैठियों को मतदाता के रूप में चाहते हैं? राहुल गांधी पर रविशंकर प्रसाद का वार

एएनआई से बात करते हुए, रविशंकर प्रसाद ने कहा कि वे क्या चाहते हैं - घुसपैठियों को मतदाता बनाया जाए? जो लोग मर चुके हैं उन्हें मतदाता के रूप में रखा जाए? क्या दो जगहों पर सूचीबद्ध लोगों को मतदाता के रूप में रखा जाना चाहिए? वे क्या चाहते हैं? वे अभी तक अपना रुख स्पष्ट नहीं कर पाए हैं।

एजेंसी

नयी दिल्ली।बिहार में चल रही कांग्रेस की 'मतदाता अधिकार यात्रा' के बीच, भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने मंगलवार को कांग्रेस पार्टी पर घुसपैठियों और मृत लोगों के नाम मतदाता सूची में बने रहने की इच्छा रखने का आरोप लगाया। प्रसाद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि उन्होंने पेगासस और राफेल जैसे प्रमुख मुद्दों पर लोगों को गुमराह किया है। एएनआई से बात करते हुए, रविशंकर प्रसाद ने कहा कि वे क्या चाहते हैं- घुसपैठियों को मतदाता बनाया जाए? जो लोग मर चुके हैं उन्हें मतदाता के रूप में रखा जाए? क्या दो जगहों पर सूचीबद्ध लोगों को मतदाता के रूप में रखा जाना चाहिए? वे क्या चाहते हैं? वे अभी तक अपना रुख स्पष्ट नहीं कर पाए हैं। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि मैं राहुल गांधी से एक बात कहना चाहता हूं, आपने पेगासस का मुद्दा उठाया, सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई, कहा गया कि जिन्हें समस्या है वे अपना फोन जांच के लिए दें, लेकिन आपने अपना नहीं दिया। राफेल मुद्दे पर आपको सुप्रीम कोर्ट के सामने माफी मांगनी पड़ी...देश आपको कभी माफ नहीं करेगा। जिस तरह से आपने संसद का अपमान किया है, आपको कभी वोट नहीं मिलेंगे।

सम्पादकीय

कई हित सधेंगे सीपी राधाकृष्णन के जरिए, उपराष्ट्रपति बनने का लाभ अन्य राज्यों में भी मिलेगा

उपराष्ट्रपति के साथ राज्यसभा के सभापति के रूप में उनके पास बड़ी जिम्मेदारी होगी। इस दायित्व में सक्रियता की खूब गुंजाइश है। ध्यान रहे कि वे ऐसे समय उपराष्ट्रपति बनेंगे जब जगदीप धनखड़ ने अचानक इस्तीफा देकर भाजपा के लिए समस्या खड़ी करने का काम किया और उस विपक्ष को हमलावर होने का मौका दिया जो सभापति के तौर पर उनके रुख-रवैये से नाखुश रहता था।भाजपा के नेतृत्व वाले राजग ने चंद्रपुरम पोन्नुस्वामी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया है। इनकी चर्चा तमिलनाडु के मोदी के रूप में भी होती है। तमिलनाडु में सीपीआर के नाम से चर्चित सीपी राधाकृष्णन 2013 में एक तमिल चैनल के डिबेट में तब शामिल हुए थे, जब नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का दावेदार बनाए जाने पर बहस हो रही थीं। उस चर्चा में तमिलनाडु के मोदी के रूप में उनका परिचय दिया गया था। उपराष्ट्रपति के प्रत्याशी के रूप में उनका चयन कर भाजपा ने एक साथ कई राजनीतिक लक्ष्य साधे हैं। भाजपा को उनके उपराष्ट्रपति बनने का लाभ तमिलनाडु के साथ दक्षिण के अन्य राज्यों में भी मिल सकता है। चूंकि वह ओबीसी हैं, इसलिए तमिलनाडु में डीएमके की ओबीसी केंद्रित राजनीति को जवाब देने में तो आसानी होगी ही, ओबीसी कार्ड खेल रहे राहुल गांधी का मुकाबला करने में भी सुविधा रहेगी। इसे संयोग कहें या कुछ और, देश के शीर्ष दो पदों पर विराजमान हस्तियों का नाता झारखंड से रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु देश के सर्वोच्च पद पर चुने जाने से पहले झारखंड की राज्यपाल रहीं और देश के उपराष्ट्रपति बनने जा रहे सीपी राधाकृष्णन भी इस राज्य के राज्यपाल रहे हैं। इन दिनों वे महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। वे झारखंड के साथ ही तेलंगाना के राज्यपाल और पुदुचेरी के उपराज्यपाल का भी अतिरिक्त कार्यभार संभाल चुके हैं। मोदी-शाह का उन पर भरोसा कितना है, इसे इससे समझा जा सकता है कि उन्हें एक समय एक साथ तीन-तीन राज्यों के राज्यपालों की जिम्मेदारी थमाई गई थी। सीपी राधाकृष्णन उत्तर भारत के भाजपा के राजनीतिक गलियारे में राधा जी के नाम से जाने जाते हैं। तमिलनाडु की कोयंबटूर लोकसभा सीट से 1998 और 1999 के आम चुनावों में भाजपा के टिकट पर सांसद चुने गए सीपी राधाकृष्णन ने स्कूली जीवन से ही जनसंघ का दामन थाम लिया था। हालांकि एक दौर में वे तमिल राजनीति में अन्नाद्रमुक के करीब माने जाते थे। उनके तमाम राजनीतिक दलों के नेताओं से मधुर संबंध हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव में डीएमके भी उनकी उम्मीदवारी का विरोध करना कठिन हो सकता है।इसका कारण तमिल अस्मिता की राजनीति है। तमिल अस्मिता की राजनीति करने वाले मुख्यमंत्री स्टालिन के लिए सीपीआर का विरोध करना आसान नहीं होगा।

आज का विचार

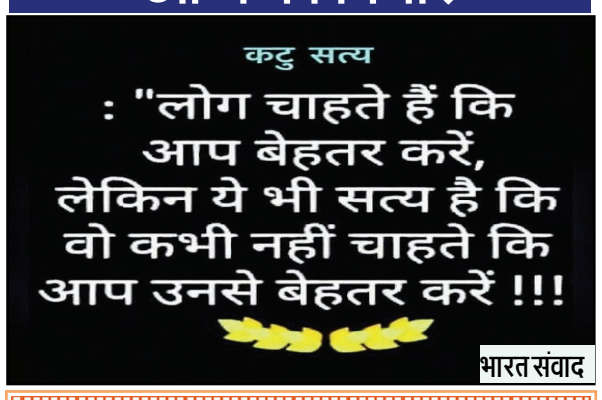

राशिफल

मेष राशि: दिन मिश्रित परिणामों से भरे रहेगा। व्यापार के सिलसिले में यात्रा करने से सामान्य लाभ मिलने की संभावना है।ऐसे में अभी के लिए आप इन्हें टाल भी सकते हैं। कार्यक्षेत्र में किसी उच्च अधिकारी के साथ वाद-विवाद हो सकता है।ऐसे में शांति और धैर्य बनाए रखना जरूरी होगा। साथ ही, कटु वाणी का प्रयोग करने से भी बचें।

वृषभ राशि : कार्यक्षेत्र में किसी अधिकारी से अनबन होने की संभावना है। वहीं, व्यापार के क्षेत्र में भी किसी व्यापारी से बहस हो सकती है। ऐसे में आपको समझदारी और धैर्य के साथ कोई भी फैसला लेना होगा। कार्यस्थल पर आप कार्य कौशल से सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

मिथुन राशि: राजनीति से जुड़े लोगों को कुछ रुकावटों और समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना बेहतर होगा। आर्थिक मामलों में भी सतर्क रहने की रहने की जरूरत है, अन्यथा नुकसान हो सकता है।

कर्क राशि : भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और व्यापार में सहयोगियों का पूरा साथ मिलेगा, जिससे आपके कई महत्वपूर्ण काम आसानी से पूरे हो सकते हैं। नौकरी करने वालों को उन्नति प्राप्त होने की संभावना है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

सिंह राशि : कारोबार और नौकरी के मामले में दिन मिलाजुला रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको कामकाज को लेकर सावधान रहना होगा और सोच-समझकर फैसले लेने से लाभ प्राप्त हो सकता है। समाज में भी सम्मान बढ़ेगा। नौकरी करने वालों को प्रमोशन का अच्छा अवसर मिल सकता है।

कन्या राशि : आपका दिन बेहद शुभ रहने वाला है और उत्तम संपत्ति प्राप्त होने के योग भी बन रहे हैं।समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

तुला राशि: दिन उत्तम रहने वाला है और आपके मान-सम्मान में भी वृद्धि होगी। सांसारिक सुख के साधनों में बढ़ोतरी होने के भी योग हैं और व्यवसाय के मामले में किए गए प्रयासों से उत्तम लाभ प्राप्त हो सकता है। नौकरी करने वालों का दिन भी अच्छा रहने वाला है और परिवार में जीवनसाथी का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक राशि : आपका ज्यादा समय दूसरों की सहायता करने में बीत सकता है, जिससे आपको संतुष्टि भी प्राप्त होगी। नौकरी करने वालों के अधिकारों में वृद्धि हो सकती, जिसके चलते आपके विरोधी थोड़े अलग मूड में नजर आ सकते हैं।

धनु राशि करियर: दिन ज्यादा अच्छा नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके आसपास विपरीत वातावरण उत्पन्न हो सकता है। ऐसे में शांति और धैर्य बनाए रखना जरूरी होगा। अपनी मधुर वाणी और व्यवहार से आप स्थिति को सामान्य बना सकते हैं।

मकर राशि : व्यापार में आपको किसी नई डील से अचानक धन लाभ प्राप्त हो सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। लेकिन कुछ मामलों में आपको समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। परिवार में जीवनसाथी या संतान की अचानक तबियत खराब होने से तनाव बढ़ सकता है।

कुंभ राशि: आपको कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है, जिससे मन बेहद खुश रहेगा। आर्थिक मामलों में भी दिन बेहतरीन रहने वाला है और आपको बड़ी मात्रा में धन लाभ प्राप्त हो सकता है। ऐसे में आप किसी यात्रा पर जाने का प्लान भी बना सकते हैं।

मीन राशि: युवा वर्ग के लिए दिन अच्छा रहेगा। अगर आपने अभी अपने करियर की शुरूआत की है तो कार्यस्थल पर आपको अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान में वृद्धि होगी, जिससे सुकून महसूस होगा। परिवार में संतान की ओर से आपको कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है और शाम को मित्रों से मुलाकात हो सकती है।मेष : आज भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

शिक्षा में इतिहास या राजनीति, कांग्रेस ने भविष्य की रक्षा के लिए कठिन निर्णय लिया

वास्तविक इतिहास हमें यही सिखाता है कि भारत का विभाजन औपनिवेशिक नीतियों और जिन्ना की सांप्रदायिक राजनीति का परिणाम था न कि कांग्रेस की महत्वाकांक्षा का। इसलिए यह आवश्यक है कि इतिहास को न्यायपूर्ण और संतुलित दृष्टि से पढ़ाएं। विभाजन के पन्नों से सीखकर हमें आगे बढ़ना चाहिए न कि उन्हें आज की राजनीति का हथियार बनाना चाहिए।

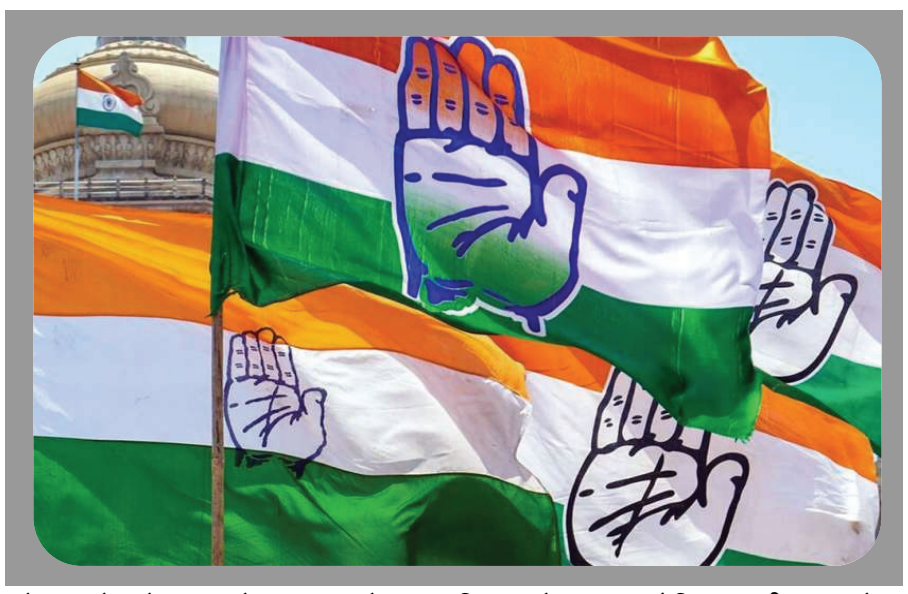

पा भारत पर शासन के दौरान 1905 में जब अंग्रेजों ने बंगाल का पहला विभाजन किया तो शायद ही किसी ने सोचा होगा कि वही बीज एक दिन पाकिस्तान के रूप में धरती के मानचित्र पर अंकित होगा। यह औपनिवेशिक सत्ता की बांटो और राज करो की नीति का परिणाम था। इस नीति ने धीरे-धीरे पूरे उपमहाद्वीप को सांप्रदायिक आधार पर बांटने की राह तैयारी की। विडंबना यह है कि 21वीं सदी में भी उसी नीति को अलग-अलग तरीकों से भुनाने की कोशिश की जा रही है। एनसीईआरटी का विशेष माड्यूल ह्लविभाजन की त्रासदीह्व इसी प्रवृत्ति की एक कड़ी प्रतीत होता है। इसमें जिन्ना और माउंटबेटन के साथ-साथ कांग्रेस को भी भारत विभाजन के लिए जिम्मेदार ठहराने का प्रयास किया गया है। इसे समझना कठिन है कि आखिर ऐसा क्यों किया गया और इससे किसके हित सधेंगे? यह सच है कि विभाजन भारतीय इतिहास की सबसे भीषण त्रासदियों में से एक था। भारत विभाजन में लाखों लोग मारे गए, करोड़ों विस्थापित हुए और सामाजिक ताने-बाने को गहरी चोट पहुंची। इसी के साथ यह भी उतना ही सच है कि भारत के दुर्भाग्यपूर्ण और त्रासदी विभाजन का कारण केवल कुछ नेताओं के व्यक्तिगत निर्णय नहीं थे, बल्कि दशकों से पनप रही औपनिवेशिक नीतियां, सांप्रदायिक राजनीति और लंबे समय से चले आ रहे किस्म-किस्म के सामाजिक तनाव का नतीजा थे। ऐसे जटिल ऐतिहासिक प्रसंगों का खतरनाक ढंग से सरलीकरण करके जिन्ना और माउंटबेटन के साथ कांग्रेस के माथे पर ठीकरा फोड़ना न केवल अन्याय है, बल्कि इतिहास को वर्तमान की राजनीति के हिसाब से मोड़ने का दुस्साहस भी है। इसका प्रतिकार किया जाना चाहिए। इतिहास वैसा ही पेश किया जाना चाहिए, जैसा घटित हुआ हो। इतिहास का मतलब ही है कि ऐसा हुआ था। यह एक वास्तविकता है कि कांग्रेस ने विभाजन की मांग कभी नहीं की। उसने तो विभाजन का विरोध किया और उसे रोकने के लिए भरसक प्रयत्न भी किए। भारत विभाजन तो मुस्लिम लीग और जिन्ना का एजेंडा था। अंग्रेजों ने भी इसे प्रोत्साहन दिया, क्योंकि उनका उद्देश्य भारत को कमजोर कर के यहां लंबे समय तक शासन करना था। इसके अलावा वे भारत का विभाजन इसलिए भी करना चाहते थे ताकि उससे अलग होकर बने देश यानी पाकिस्तान में अपनी चला सकें। 1909 के चुनावों में अलग निर्वाचन क्षेत्र की व्यवस्था हो या 1932 का कम्युनल अवार्ड, हर कदम पर ब्रिटिश शासन ने हिंदूझमुस्लिम एकता को चोट पहुंचाने का काम किया। अंग्रेज हिंदुओं और मुसलमानों के रिश्तों में दरार डालने के काम करते ही रहते थे ताकि उन्हें भारत पर शासन करने में आसानी हो। कांग्रेस लगातार राष्ट्रीय एकता की बात करती रही, लेकिन जब 1940 के दशक में सांप्रदायिक तनाव चरम पर पहुंच गया, तब उसके पास समझौते के अलावा कोई विकल्प शेष नहीं बचा। अच्छा होता कि आज लोग उस समय की परिस्थितियों को समझें। कहा भी जाता है कि देश, काल और परिस्थितियों के हिसाब से चलना चाहिए। इस बात को सदैव ध्यान में रखा जाए तो अच्छा कि 1946-47 का भारत आज के लोकतांत्रिक और भारत से बिल्कुल अलग था। उस समय 500 से अधिक रियासतें थीं, जिनकी अपनी-अपनी आकांक्षाएं और सोच थी। बंगाल, पंजाब और बिहार में भयंकर दंगे भड़क चुके थे। सांप्रदायिक तनाव इतना बढ़ चुका था कि हर दिन हजारों निर्दोष लोग मारे जा रहे थे। ऐसे में देश की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति के रूप में कांग्रेस के सामने दो ही रास्ते थे— या तो विभाजन स्वीकार कर देश को आगे बढ़ने दें या फिर विभाजन रोकने की कोशिश में पूरे उपमहाद्वीप को खून-खराबे में झोंक दें। इतिहास गवाह है कि कांग्रेस ने पहला रास्ता चुना और भारत को लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूत नींव दी। इसे उन लोगों को समझना चाहिए, जो विभाजन के लिए कांग्रेस को दोषी ठहराने के लिए तरह-तरह के सुविधाजनक तर्क पेश करते रहते हैं। यह कहना आसान है कि कांग्रेस ने भारत विभाजन को स्वीकार कर गलती की। इसी तरह यह कहना भी भूल होगी कि उस दौर में नेताओं के सामने और कोई विकल्प उपलब्ध था। महात्मा गांधी जैसे नेता भी विभाजन के सख्त खिलाफ थे, लेकिन जब लाखों लोगों की जान दांव पर लगी थी, तब समझौते को ही व्यावहारिक रास्ता माना गया। कांग्रेस का लक्ष्य सत्ता पाना नहीं बल्कि देश को भीषण गृहयुद्ध की आग से बचाना था। आज 79 साल बाद सुरक्षित माहौल में बैठकर विभाजन के दौर की विवशताओं को अनदेखा करना आसान है, लेकिन यह समझना जरूरी है कि यदि उस समय कांग्रेस ने विभाजन स्वीकार न किया होता तो शायद हालात और भी भयावह होते। ऐसे में यह कहना अनुचित नहीं होगा कि कांग्रेस ने कठिन मगर आवश्यक निर्णय लिया ताकि भारत का भविष्य बचाया जा सके।एनसीईआरटी का माड्यूल इतिहास की जटिलताओं को सरलीकृत करके वर्तमान की राजनीति के लिए इस्तेमाल करने का प्रयास है। इस नए माड्यूल को भले ही किसी कक्षा में पाठ के तौर पर न पढ़ाया जाए .लेकिन आखिर इसे पूरक शैक्षिक सामग्री के तौर पर पेश करने और उसमें विभाजन के लिए जिन्ना और माउंटबेटन के साथ कांग्रेस को भी जिम्मेदार ठहराने का क्या मतलब? सत्ता चाहे कितनी भी ताकतवर क्यों न हो, इतिहास बदलने की कोशिश हमेशा अधूरी और संदिग्ध रहती है।वास्तविक इतिहास हमें यही सिखाता है कि भारत का विभाजन औपनिवेशिक नीतियों और जिन्ना की सांप्रदायिक राजनीति का परिणाम था, न कि कांग्रेस की महत्वाकांक्षा का। इसलिए यह आवश्यक है कि इतिहास को न्यायपूर्ण और संतुलित दृष्टि से पढ़ाएं। विभाजन के पन्नों से सीखकर हमें आगे बढ़ना चाहिए, न कि उन्हें आज की राजनीति का हथियार बनाना चाहिए। कांग्रेस को दोषी ठहराना आसान है, लेकिन सच्चाई यही है कि उसने उस दौर में देश की एकता और भविष्य की रक्षा के लिए कठिन निर्णय लिया। इतिहास का मूल्यांकन उसी समय की परिस्थितियों के आलोक में होना चाहिए, न कि आज की राजनीतिक सुविधा के आधार पर।

महिला सशक्तिकरण और अपराध की दुनिया में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी

(मनोज कुमार अग्रवाल)

हमारे देश में महिलाओं को वात्सल्य और ममता की प्रतिमूर्ति माना जाता है। बढ़ते आधुनिकीकरण के दौर में महिलाएं हर क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति कर रही हैं। निसंदेह यह प्रशंसा और गौरव की बात है कि महिलाएं अब चौके -चूल्हे से लेकर कंप्यूटर और लड़ाकू विमान तक सफलतापूर्वक संचालित कर रही हैं। आज के दौर में महिलाओं की अधिकांश उपलब्धियों पर गर्व ही होता है। ऐसे में देश भर में महिलाओं की अपराध में भागीदारी निरंतर बढ़ना चिंताजनक है। सोनम और मुस्कान ही नहीं हजारों अन्य महिलाओं ने भी शातिर अपराधियों की तर्ज पर अपराध को अंजाम दिया है। पहले अपराध की दुनिया में पुरुषों का ही बोलबाला रहता था, लेकिन अब महिलाएं यहां पर भी पुरुषों से पीछे नहीं रहीं। बीते पांच साल में अपराध की काली दुनिया में महिलाओं की गिनती तीन गुणा बढ़ी है। नशा तस्करी, ह्यूमन ट्रेफिकिंग, बच्चा चोरी, साइबर क्राइम लूटपाट, हत्या से लेकर लगभग सभी अपराधों को इन दिनों महिलाएं पुरुषों की तरह अंजाम दे रहीं हैं। कई मैट्रो शहरों में चैन स्नैचिंग डकैती लूट जैसे दुस्साहसी अपराधों में सीधे तौर पर अथवा पुरुष साथी के सहयोगी के तौर पर भागीदारी निश्चित तौर पर भारतीय समाज को चौंकाने वाली है। देश की राजधानी होने के नाते दिल्ली के शेष देश की अपेक्षा अधिक सुरक्षित होने की उम्मीद की जाती है परन्तु वास्तविकता इसके विपरीत ही है। एक ताजा रिपोर्ट बताती है कि इस समय राजधानी दिल्ली के अपराध जगत में पुरुषों के साथ-साथ महिला अपराधी भी समान रूप से सक्रिय हैं। कमोबेश यही हालात देश के दूसरे शहरों में भी तेजी से पैदा हो रहे हैं। इसका उदाहरण कुछ समय पहले तब मिला जब नई दिल्ली के एक इलाके में नाबालिगों ने कुणाल नामक किशोर को सरेआम चाकुओं से बींध डाला और निकट ही खड़ी 'सीलमपुर की लेडी डॉन' के नाम से कुख्यात 'जिक्रा खान' इस घटना को चुपचाप देखती रही। वह पहले गैंगस्टर 'हाशिम बाबा', जो इस समय जेल में है, की पत्नी की बाउंसर थी पर बाद में उसने अपना गिरोह बना लिया।

नाबालिग लड़कों को भर्ती करके उन्हें हत्या करने की ट्रेनिंग देने में माहिर 'जिक्रा खान' की 'कुणाल' की हत्या में संलिप्तता ने उसे दिल्ली की सबसे खतरनाक औरतों में शामिल कर दिया है। 'जिक्रा खान' जैसी महिलाएं हाशिए से उठ कर आज दिल्ली के अंडर वर्ल्ड की अगली पंक्ति में आ खड़ी हुई हैं जो करोड़ों रुपयों का नशे का व्यापार करने के साथ-साथ लोगों की हत्या और महिलाओं तथा बच्चों की तस्करी में शामिल पाई जा रही हैं। एक अध्ययन में बताया गया है कि ये अपराधी महिलाएं क्रूरता बरतने के मामले में पुरुष अपराधियों से कम नहीं हैं। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, सत्ता में आने के इनके तरीके भी अलग-अलग हैं। कुछ महिलाएं गरीबी से निकल कर अपराध की दुनिया में आईं जबकि कुछ अन्य महिलाओं ने पुरुष गैंगस्टरों के साथ जाने को प्राथमिकता दी और उनके जेल चले जाने पर उनका धंधा संभाल लिया। ये गैंगस्टर महिलाएं लोगों के सामने आम औरतों की तरह अपनी 'बेचारी' या 'कमजोर' वाली छवि का इस्तेमाल कर भीड़ में लुप्त हो जाती हैं। दिल्ली में बॉस महिला अपराधियों की सूची लगातार बढ़ रही है। इनमें सबसे बड़ा नाम 'सोनू पंजाबन' उर्फ गीता अरोड़ा का है जो अपने पति की मौत के बाद जी.बी. रोड में देह व्यापार के धंधे की निर्विवाद सरगना बन गई। पुलिस के अनुसार वह माडर्न ग्राहकों को प्रभावित करने के लिए इस धंधे से जुड़ी लड़कियों को थोड़ी-बहुत अंग्रेजी सिखाने के साथ-साथ माडर्न लुक देती थी। वर्ष 2011 में उसे 'मकोका' के तहत गिरफ्तार किया गया था।'सोनू पंजाबन' का पहला गैंगस्टर पति 2004 में तथा दूसरा पति 2006 में मारा गया। 'पोक्सो' तथा मानव तस्करी के कानून के अंतर्गत पकड़ी जाने से पहले 'सोनू पंजाबन' का वेश्यावृत्ति गिरोह हाई प्रोफाइल ग्राहकों को नाबालिग लड़कियों की सप्लाई किया करता था। महिला अपराधियों में एक नाम 'जोया खान' का है, जिसने 2019 में अपने पति 'हाशिम बाबा' के जेल चले जाने के बाद उसके गिरोह को चलाने की जिम्मेदारी संभाली और हाल ही में 1 करोड़ रुपए मूल्य की 225 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किए जाने तक उसने यह धंधा चालू रखा।कुछ महिला गैंगस्टर तो अपने-अपने इलाकों में इतनी प्रसिद्ध हो गई हैं कि शरारती बच्चों के माता-पिता उन्हें डराने के लिए इन 'लेडी डॉन' के नाम का इस्तेमाल तक करने लगे हैं। प्रतिद्वंद्वी गिरोह तक इनसे डरते हैं।दिल्ली के सबसे बड़े आपराधिक परिवारों में एक नाम 8 बच्चों की मां 'बशीरन' और उसके परिवार का है, जिस पर 100 से अधिक मामले दर्ज हैं। अपराध की दुनिया में वह 'गॉडमदर' के नाम से जानी जाती है। महिला अपराधियों में एक नाम मोबाइल फोन और महिलाओं से चेन झपट कर फरार हो जाने वाली बाइक सवार झपटमार रमाप्रीत का भी है। एक अन्य महिला अपराधी 'सायरा बेगम' ने जी.बी. रोड के कोठे में सैक्स वर्कर के रूप में काम शुरू किया था। बताया जाता है कि कुछ ही वर्षों बाद उसने यह कोठा खरीद कर अपना स्वतंत्र धंधा शुरू कर दिया। उक्त उदाहरणों से स्पष्ट है कि आज देश के अन्य स्थानों विशेषकर शहरों में महिला अपराधियों की तादाद में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है। राजधानी दिल्ली की जनता भी अपराधी गिरोहों के साथ-साथ महिला अपराधियों के रहम पर है जिससे मुक्ति पाने के लिए राजधानी की कानून-व्यवस्था को और चुस्त करने की तुरंत जरूरत है। मैट्रो शहरो में अकेले पुरुष की गाड़ी में लिफ्ट मांग कर सुनसान इलाके में उसे लूट लेने, मोबाइल, फेसबुक पर वीडियो काल के जरिए पुरुषों को हनीट्रेप कर ब्लेक मेल कर मोटी रकम वसूलने, अनर्गल आरोप लगाकर ब्लेक मेल करने की वारदातों की झड़ी लगी है। अब समय आ गया है कि सरकार को महिला पुरुष को समकक्ष मान कर कानून के प्रावधान तैयार करने चाहिए। आज समय के साथ स्थिति में काफी बदलाव आ गया है और महिलाओं में भी अपराध की ओर झुकाव बढ़ रहा है। आम तौर पर बहुत सारी अपराधी महिलाएं महिला होने के चलते अपराध करने के बाद भी साफ बच निकलने में कामयाब हो जाती है लेकिन अब आ रहे बदलाव और अपराध की दुनिया में बढ़ रही महिलाओं की सक्रियता के चलते जांच के तौर तरीको में बदलाव की गंभीर आवश्यकता है।

उत्तर प्रदेश में छात्रवृत्ति योजनाओं से वंचित दलित छात्र

ओ पी सोनिक

सरकारी दावों के अनुसार देश की आबादी का एक बड़ा हिस्सा सामाजिक सुरक्षा के दायरे में है जो पहले कभी नहीं रहा। इसके पीछे सरकारी योजनाओं की उपलब्धियों को माना जा रहा है। ऐसे तमाम दावों के बावजूद दलितों को छात्रवृत्तियों के रूप पहले से मिली सामाजिक सुरक्षा दलितों की मुट्ठी से फिसलती नजर आ रही है। उत्तर प्रदेश में वंचित वर्गों की छात्रवृत्ति योजनाओं के मामलों में भी कुछ ऐसा ही परिलक्षित हो रहा है। पिछले दिनों उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा सुप्रीमो मायावती को वंचित वर्गों की छात्रवृत्ति योजनाओं के सुस्त क्रियान्वन पर ध्यानाकर्षण करना पड़ा। उन्होंने अलीगढ़ स्थित राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के विभिन्न कांलेजों में विद्यार्थियों को लंबित छात्रवृत्तियों का लाभ दिलाने की मांग की। छात्रवृत्ति के सुस्त क्रियान्वयन के कारण ही समय-समय पर संसद में भी छात्रवृत्तियों से संबंधित प्रश्न पूछे जाते रहे हैं। इसी कड़ी में 29 जुलाई 2024 को लोकसभा में संसद सदस्या कुमारी सुधा आर एवं जी एम बालयोगी द्वारा पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में मिले आंकड़े चौंकाने वाले हैं। लोकसभा में पेश आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश में वर्ष 2019-20 में दलित वर्ग के 5 लाख 31 हजार विद्यार्थियों को प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति का लाभ मिला, वर्ष 2023-24 में जिनकी संख्या घटकर मात्र 3 लाख 82 हजार रह गयी। वर्ष 2019-20 में दलित वर्ग के 13 लाख 60 हजार विद्यार्थियों को पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति का लाभ मिला जिनकी संख्या वर्ष 2023-24 में घटकर 9 लाख 53 हजार रह गयी, यानि कि उक्त अवधि के दौरान दलित वर्ग के करीब 5 लाख 55 हजार विद्यार्थी छात्रवृत्ति योजनाओं से बाहर हो गए। उक्त आंकड़ों के आधार पर यह माना जा सकता है कि छात्रवृत्ति योजनाओं पर अमल की प्रक्रिया राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव में दम तोड़ रही है। छात्रवृत्ति योजनाओं के अमल पर उक्त प्रवृति महज एक प्रदेश तक सीमित नहीं है बल्कि राष्ट्रीय स्तर की राजनीतिक उदासीनता का रूप ले चुकी है। मसल- देश में वर्ष 2019-20 में अनुसूचित जाति वर्ग के 54 लाख 27 हजार विद्यार्थियों को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति मिली जिनकी संख्या वर्ष 2023-24 में करीब 8 लाख घटकर मात्र 46 लाख रह गयी। इसी अवधि के दौरान प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति के लाभार्थियों की संख्या भी 31 लाख 37 हजार से घटकर 22 लाख 38 हजार रह गयी, यानी कि उक्त अवधि में देश में अनुसूचित जाति वर्ग के करीब 17 लाख विद्यार्थी उक्त योजनाओं से भी बाहर हो गए। देश में अनुसचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति के करीब तीन लाख आवेदन अस्वीकृत हो गए। सरकार द्वारा चलायी जा रहीं विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाएं समाज को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करती हैं। ऐसी योजनाएं सामाजिक एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को आर्थिक लाभ पहुंचाकर विद्यार्थियों के बीच में पढ़ाई छोड़ने की दर को भी कम करती हैं। केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा राज्यों को जारी दिशा-निदेर्शों के अनुसार सभी राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेश ग्राम पंचायतों के नोटिस बोर्डों, स्कूल कमेटियों एवं अभिभावक-शिक्षक मीटिंग के द्वारा छात्रवृत्ति योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक करेंगे। दलित वर्ग इसकी पुष्टि कम से कम स्थानीय स्तर पर तो सरलता से कर सकता है कि उक्त दिशा-निदेर्शों का कितना पालन हो रहा है। छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र विद्यार्थियों तक पहुंचे और छात्रवृत्ति को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए सरकार द्वारा कुछ अहम कदम उठाए गए जिसके तहत आवेदकों को आधार कार्ड, पिछली कक्षा का अंक-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र, निवास प्रमाण-पत्र और बैंक खाते की आवश्यकता होती है।

काली पट्टी बांध शिक्षकों ने किया विरोध प्रदर्शन

प्रयागराज के कुलभास्कर महाविद्यालय में शिक्षकों ने की नारेबाजी

भारत संवाद

प्रयागराज, कुलभास्कर आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय के शिक्षको ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। यहां शिक्षकों ने ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ यूनिवर्सिटी कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन के बैनरतले शिक्षकों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। यहां शिक्षकों के संदर्भ में लंबित मांग जैसे, पुरानी पेंशन योजना लागू करना, पीएचडी इंक्रीमेंट प्रदान करना, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की विसंगतियों को दूर करना, अनुदानित एवं अंशकालिक शिक्षकों की सेवा शर्तों में सुधार करना एवं नियमित शिक्षकों की समय से नियुक्ति करना, आठवें वेतन आयोग का गठन समेत अन्य मांगों के निस्तारण न होने से प्रदर्शन कर रहे थे। कुलभास्कर शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंह ने प्रदर्शन का नेतृत्व किया। कुलभास्कर शिक्षक संघ के महामंत्री डॉ. प्रमोद यादव, प्रो. राजेंद्र सिंह रज्जू भैय्या के शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो. पवन कुमार पचौरी, महामंत्री डॉ. बिपिन कुमार, प्रो. आरएल पाल, प्रो वीएन पांडेय, प्रो. विश्वनाथ, प्रो. एसपी विश्वकर्मा, डॉ. विकास कुमार, डॉ. आभा त्रिपाठी, डॉ. श्रद्धा तिवारी, डॉ. अनुराग त्रिपाठी, डॉ. शशिकान्त त्रिपाठी, डॉ. एसी सिंह, डॉ. मनीष श्रीवास्तव, डॉ. मनोज सिंह, डॉ. परम प्रकाश सिंह, डॉ. अनिल कुमार समेत अन्य मौजूद रहे।

विकास प्राधिकरण में 187 पद रिक्त

पीडीए उपाध्यक्ष बोले-अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती के लिए डिमांड भेजी गई है

भारत संवाद

प्रयागराज, विकास प्राधिकरण में अधिकारी और कर्मचारियों की भारी कमी शहर के विकास में रूकावट बन रही है। 187 पद रिक्त होने के कारण न सर्वे समय पर हो रहा है, न अवैध कब्जे हट रहे हैं और न ही मास्टर प्लान के तहत विकास कार्य हो पा रहे हैं। नतीजा शहर में अनियोजित विकास तेजी से बढ़ रहा है और नई आवासीय योजनाएं कागजों में अटकी हुई हैं। शहरी नियोजन विशेषज्ञों का मानना है कि स्टाफ की इतनी कमी के कारण पीडीए का मास्टर प्लान लागू हो पाना मुश्किल है। यदि तुरंत भर्ती नहीं हुई तो शहर अगले पांच साल में अव्यवस्थित निर्माण का शिकार हो जाएगा। एक पूर्व नगर नियोजक ने कहा कि पीडीए के पास मास्टर प्लान 2031 का रोडमैप है। लेकिन उसे लागू करने के लिए जरूरी मानव संसाधन नहीं है। अगर प्रशासन ने जल्द कदम नहीं उठाए तो प्रयागराज का भविष्य अव्यवस्थित निर्माण और बुनियादी ढांचे की कमी में उलझ सकता है। अधिकारियों के 10 पद रिक्त है जिनमें संयुक्त सचिव, मुख्य अभियंता, दो उप सचिव, लेखाधिकारी, सहायक लेखाधिकारी, अधीक्षण अभियंता, दो अधिशासी अभियंता (सिविल), सहायक अभियंता (यांत्रिक), विशेष कार्याधिकारी, मुख्य नगर नियोजक शामिल हैं। अबर अभियंता व निरीक्षण से जुड़े 25 पद खाली हैं जिनमें 19 अवर अभियंता, नियोजन वास्तुविद, संपत्ति अधीक्षक, कर एवं राजस्व निरीक्षक, व्यक्तिगत सहायक, लेखाकार, कार्यालय अधीक्षक, उप निरीक्षक शामिल हैं। तकनीकी व लिपिकीय वर्ग में 68 पद रिक्त हैं जिनमें सहायक लेखाकार, हेड ड्राफ्टमैन, ड्राफ्टमैन, ब्लू प्रिंटर, ट्रेसर, ऑडिट सहायक, सात आशुलिपिक, प्रधान लिपिक, आठ प्रथम श्रेणी लिपिक, 34 द्वितीय श्रेणी लिपिक, विधि निरीक्षक, उद्यान निरीक्षक, तीन सर्वेयर शामिल हैं।

वहीं चतुर्थ श्रेणी के 84 पद खाली हैं जिनमें सर्वे खलासी, सुपरवाइजर, चपरासी, क्लीनर, मेठ, फिटर, बेलदार आदि प्रमुख हैं। पीडीए उपाध्यक्ष डॉ. अमित पाल शर्मा ने कहा रिक्त पदों के संबंध में शासन को पत्र लिखकर अवगत कराया गया है। अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती के लिए डिमांड भेजी गई है। जल्द तैनाती होने की उम्मीद है।

फास्ट ट्रैक

थाना अदलहाट पुलिस द्वारा कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जमीन का बैनामा करने के अभियोग से सम्बन्धित वांछित 01 अभियुक्ता गिरफ्तार

थाना अदलहाट जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 02.08.2025 को वादी हर्षित सिंह पुत्र सुरेश सिंह निवासी विदापुर थाना कछवां जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन का बैनामा करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई। जिसके आधार पर थाना अदलहाट जनपद मीरजापुर पर मु0अ0सं0-253/2025 धारा 316(2), 61(2),319(2),318(4),338,336(3),352,351(3) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में थाना प्रभारी अदलहाट को निर्देश दिये गये। उक्त निर्देश के अनुक्रम में दिनांकः 19.08.2025 को उप निरीक्षक अजय कुमार मिश्रा मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना अदलहाट क्षेत्र से 01 नफर अभियुक्ता 1. रितु सिंह पत्नी स्व0 संदीप सिंह निवासिनी लहरतारा थाना मडुवाडीह जनपद वाराणसी को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया।

थाना लालगंज पुलिस द्वारा चोरी के अभियोग से सम्बन्धित 02 अभियुक्त गिरफ्तार

थाना लालगंज जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 09.07.2025 को वादी शिवधारी लाल भारती पुत्र बैजू प्रसाद निवासी फतेहपुर थाना अलीनगर जनपद चंदौली द्वारा अज्ञात अभियुक्तों के विरूद्ध थाना लालगंज क्षेत्रान्तर्गत तुलसी मेन रोड पर स्कूटी में रखे पैसे और मोबाइल फोन व स्कूटी का चाबी चुराने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई। जिसके आधार पर थाना लालगंज जनपद मीरजापुर पर मु0अ0सं0-267/2025 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। इसी क्रम में दिनांकः 18.08.2025 को वादिनी ऊषा देवी पत्नी स्व0 लालचन्द निवासिनी नदौली करौदी थाना लालगंज जनपद मीरजापुर द्वारा अज्ञात अभियुक्तों के विरूद्ध थाना लालगंज क्षेत्रान्तर्गत गदहिया नाला के पास से हैण्डबैग चुराने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई। जिसके आधार पर थाना लालगंज जनपद मीरजापुर पर मु0अ0सं0-327/2025 धारा 304(1) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में थाना प्रभारी लालगंज को निर्देश दिये गये। उक्त निर्देश के अनुक्रम में दिनांकः 19.08.2025 को उप निरीक्षक राजकरन सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना लालगंज क्षेत्र से घटना से संबंधित प्रकाश में आये 02 नफर अभियुक्तगण 1.

थाना को0 कटरा पुलिस द्वारा 02 शातिर चोर को गिरफ्तार किया गया, चोरी का 12 अदद एण्ड्रायड मोबाइल फोन व 02 अदद बैट्री बरामद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने तथा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान व वाहनों की चोरी एवं बिक्री करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी/बरामदगी करने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं। उक्त निर्देश के अनुक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में थाना को0 कटरा पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। आज दिनांकः19.08.2025 को उपनिरीक्षक चन्द्रभान सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना को0 कटरा क्षेत्रान्तर्गत पुतलीघर चिमनी के पास से 02 शातिर अभियुक्तों 1.शेखरचन्द्र उर्फ काजू पुत्र वंशीलाल व 2.शुभम कुमार पुत्र शिवबली निवासीगण अनगढ महावीर थाना को0 कटरा जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया। उक्त दोनों अभियुक्तों के कब्जे से 12 अदद एण्ड्रायड मोबाइल फोन व 02 अदद बैट्री बरामद।

महापौर द्वारा आगामी दिनों में आयोजित होने वाले दाधिकान्दों मेला सलोरी एवं सुलेम सरांय के दृष्टिगत चौकी मार्ग का निरीक्षण किया गया

भारत संवाद

दिनांक 19-08-2025 को उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी मा0 महापौर द्वारा आगामी दिनों में आयोजित होने वाले दाधिकान्दों मेला सलोरी एवं सुलेम सरांय के दृष्टिगत चौकी मार्ग का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय दीपेन्द्र यादव, राजीव शुक्ला, अपर नगर आयुक्त, अनिल मौर्या, नगर अभियन्ता, आर0के0लाल अधिशाषी अभियन्ता विधुत, डम्बर सिंह, सहायक अभियन्ता, रामपूजन श्रीवास्तव, नवनीत संख्यवार जोनल अधिकारी जोन-3 व 6 व क्षेत्रीय पार्षद राजू शुक्ला, ज्ञानेश्वर पाण्डेय, शिव भारती, दीपक कुशवाहा, दीपिका पटेल, कंचन शुक्ला अध्यक्ष सलोरी दाधिकान्दों कमेटी, राकेश जैन, संरक्षक पियुष केसरवानी अध्यक्ष, सुलेम सरांय दाधिकान्दों मेला कमेटी आदि उपस्थित रहे। सर्वप्रथम सलोरी मेला मार्ग का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मेले की सारी व्यवस्था दुरूस्त पायी गयी। मेला कमेटी के पदाधिकारियों द्वारा मार्ग पर कुछ स्थानों पर मलवे के निस्तारण तथा कतिपय स्थानों पर अस्थाई मार्ग प्रकाश व्यवस्था की मांग की गयी। इसके अतिरिक्त मेला मार्ग पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा कराये गये कार्यो के सम्बन्ध में शिकायत की गयी बताया गया कि मेला मार्ग पर प्राधिकरण द्वारा जो भी कार्य किये गये है वह अधूरे है जिससे दुर्घटना हो सकती है। मार्ग प्रकाश हेतु लगाये जाने वाले पोल भी पूरी तरह से नहीं लगाये गये है तथा तार खुले छोड़े गये है। मा0 महापौर जी द्वारा तत्काल दूरभाष पर सचिव विकास प्राधिकरण से बात कर मेले से पूर्व सभी कार्य पूर्ण कराने के आदेश दिये गये।सुलेम सरांय मेला मार्ग चौफटका से मन्दर मोड़ तक का निरीक्षण किया गया। ठाकुर द्वारा पर स्थित मेला पदाधिकारियों द्वारा बताया गया कि पूरे मेला मार्ग व लिंक रोडों पर कतिपय स्थानों पर पैच वर्क तथा पेड़ कटाई का कार्य होना है जैसे महिला ग्राम से ताड़बाग, गल्ला मंडी व अन्य स्थानों पर। अस्थाई शौचालय, मार्ग प्रकाश व पेयजल की व्यवस्था की मांग की गयी।मा0 महापौर द्वारा उपरोक्त से सम्बन्धित उपस्थित सभी अधिकारी को निर्देश दिये गये कि उपरोक्त दोनों स्थानों पर मेले के पूर्व यात्रा मार्गो पर लटके तारों को ऊॅचा करने का कार्य, मार्गो पर समुचित सफाई, मलवा/ कूड़ा निस्तारण, कीट नाशक का छिड़काव, लीकेज, सीवर के टूटे ढक्कनों को बदलने का कार्य, पैच वर्क, चोक सीवर/नालियों की सफाई तथा समुचित मार्ग प्रकाश की व्यवस्था आवारा पशुओं के पकड़ने का कार्य, अस्थाई शौचालय व पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाय। जिससे किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में श्रम विभाग के द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न

डॉ0 भीमराव अम्बेडकर श्रमिक सुविधा केन्द्र (श्रमिक अड्डा) के निर्माण की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए निर्माण हेतु सभी आवश्यक कार्रवाईयां तेजी से कराये जाने के दिए निर्देश

भारत संवाद

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में श्रम विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने उत्तर प्रदेश भवन एवं सन्निमार्ण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत संचालित योजनाओं, श्रमिक पंजीयन, श्रमिक नवीनीकरण एवं अधिष्ठान पंजीयन निरीक्षण, दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान अधिनियम 1962 एवं मोटर ट्रांसपोर्ट अधिनियम के तहत पंजीयन, बाल श्रम के अन्तर्गत निरीक्षण एवं अभियोजन, अटल आवासीय विद्यालय, ई-श्रम एक्स ग्रेसिया योजना, प्लेटफार्म/ग्रिग वकर्स एवं डॉ0 भीमराव अम्बेडकर श्रमिक सुविधा केन्द्र (श्रमिक अड्डा) की समीक्षा की।जिलाधिकारी ने डॉ0 भीमराव अम्बेडकर श्रमिक सुविधा केन्द्र (श्रमिक अड्डा) के निर्माण की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए उप श्रमायुक्त को निर्माण हेतु आवश्यक कार्रवाईयां तेजी से कराने के निर्देश दिए है। मोटर ट्रांसपोर्ट अधिनियम के तहत पंजीयन की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक एवं सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी को विद्यालयों के प्रबंधकों से समन्वय करते हुए स्कूली वाहनों के चालकों एवं परिचालकों का पंजीकरण एवं सत्यापन कराये जाने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, उपश्रमायुक्त सहित सभी सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने नियोक्ताों एवं कर्मचारियों के पंजीकरण को बढावा देने हेतु स्त्री-2025 योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कराये जाने के दिए निर्देशजिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम की 196वीं बैठक में स्त्री-2025 में नियोक्ताओं एवं कर्मचारियों के पंजीकरण को बढावा देने की योजना स्त्री-2025 के सम्बंध में बैठक करते हुए योजना का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा अनुमोदित नियोक्ताओं और कर्मचारियों के पंजीकरण को प्रोत्साहित करने की योजना स्त्री 2025, क.रा.बी. अधिनियम के अन्तर्गत सामाजिक सुरक्षा व्याप्ति को विस्तार देने हेतु एक विशेष पहल है। यह योजना 1 जुलाई 2025 से 31 दिसम्बर 2025 तक सक्रिय रहेगी तथा यह अपंजीकृत नियोक्ताओं एवं कर्मचारियो, जिसमें संविदा एवं अस्थायी श्रमिक भी शामिल हैं, को बिना निरीक्षण पंजीकरण या पूर्व बकाया राशि की मांग के, पंजीकरण कराने का एकल अवसर प्रदान करती है।स्त्री 2025 के अन्तर्गत नियोक्ता क.रा.बी. निगम पोर्टल, श्रम सुविधा तथा एम.सी.ए. पोर्टल के माध्यम से डिजिटल रूप से अपनी इकाइयों एवं कर्मचारियों का पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण को नियोक्ता द्वारा घोषित तिथि से प्रभावी माना जायेगा। पंजीकरण से पूर्व की अवधि के लिए कोई अंशदान या लाभ देय नही होगा।पंजीकरण-पूर्व अवधि के लिए कोई निरीक्षण या पूर्व अभिलेखों की मांग नही की जायेगी। यह योजना पिछली अवधि के दण्डात्मक प्रावधानों के भय को समाप्त करने तथा पंजीकरण प्रक्रिया को सहज बनाकर स्वैच्छिक अनुपालन को प्रोत्साहित करती है।

ईविवि. की इकाई अद्वैत ने इस्कॉन मन्दिर में की भव्य संस्कृतिक प्रस्तुति

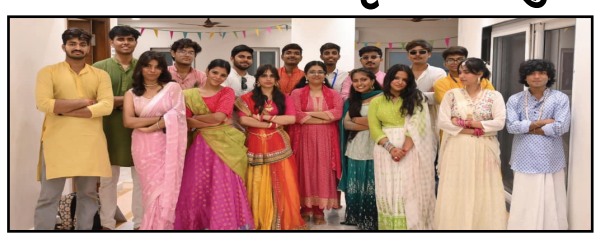

भारत संवाद

प्रयागराज। अद्वैत द ऑननेस फोरम, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर इस्कॉन प्रयागराज में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। मंचन की शुरूआत भगवान श्रीकृष्ण की महिमा पर आधारित भावपूर्ण नाटक से हुई, जिसमें जीवन के आध्यात्मिक संदेशों को दर्शाया गया। इसके बाद रंग-बिरंगे परिधानों में सजीव नृत्य-नाटिका ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं भजन ने वातावरण को भक्ति रस से सराबोर कर दिया। पूरी प्रस्तुति में भक्तों की अपार सहभागिता देखने को मिली। अद्वैत मंच द्वारा प्रस्तुत यह सांस्कृतिक आयोजन श्रद्धा और कला का अनुपम संगम साबित हुआ।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड जिला अनुश्रवण पुस्तिका पर परिलक्षित राजस्व से सम्बन्धित श्रेणीवार जिलाधिकारी ने की समीक्षा

जनपद के विभिन्न 32 मदो में ए श्रेणी प्राप्त, बी0 व सी0 श्रेणी प्राप्त करने वाले अधिकारियो को माह अगस्त में प्रगति लाते हुए श्रेणी सुधार लाने का जिलाधिकारी ने दिया निर्देश

भारत संवाद

मीरजापुर - जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने कर करेत्तर/मुख्य देय/विविध देय से सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक कर माह जुलाई में मा0 मुख्यमंत्री डैशबोर्ड जिला अनुश्रवण पुस्तिका में प्रदर्शित राजस्व से सम्बन्धित कार्यो की रैकिंग/ग्रेडिंग के अनुसार समीक्षा करते हुए माह जुलाई 2025 में रैकिंग बी0 व सी0 श्रेणी प्राप्त करने वाले विभागीय अधिकारियों व उप जिलाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अगस्त माह के अवशेष दिनों में अपने-अपने विभाग के संचालित योजनाओं/वसूली कार्य में प्रगति लाते हुए श्रेणी में सुधार कराना सुनिश्चित करें। समीक्षा के दौरान जिला अनुश्रवण पुस्तिका में प्रदर्शित रैकिंग/ग्रेडिंग में विभिन्न 32 मदो/विभागो को को ए श्रेणी प्राप्त हुआ हैं। जिलाधिकारी ने ए श्रेणी प्राप्त करने वालो विभागो को निर्देशित किया कि अगले माह भी इसे बनाए रखते हुए अन्य अधिकारी भी श्रेणी में सुधार लाना सुनिश्चित करे जिन विभागो/मदो को ए श्रेणी प्राप्त हुआ है उनमें राइट ऑफ वे, उत्पन्न राजस्व बनाम लक्ष्य, लो रिस्क भवनों के मानचित्र की स्वीकृति, हाई रिस्क भवनों के मानचित्र की स्वीकृति, पेट्रोल पम्पो का सत्यापन, मुद्राकंन, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना सहायता योजना, मण्डी आय, मण्डी आवक, औषधि विक्रय लाइसेंस, संकलित नमूना एवं कृत कार्यवाही औषधि, संकलित नमूना एवं कृत कार्यवाही खाद्य, एन0एफ0एस0ए0ई0पी0डी0एस0 लाभार्थी, अमृत-2, सम्पत्ति नामांतरण, आइ0एम0 एस0 एस0 के अनुसार प्रवर्तन कार्य, एल0ओ0आई0 के लिए आनलाइन आवेदन, लक्ष्य के सापेक्ष प्रवर्तन कार्यवाही, कृषि भूमि से गैर कृषि, अधिवास प्रमाण, आय प्रमाण पत्र, ई खसरा रबी, ई खसरा जायद, एकीकृत आपदा राहत प्रबंधन, एंटी भू माफिया, जामि प्रमाण पत्र, धारा-89, निविर्वाद उत्तराधिकार, भूलेख, साल्वेंसी सर्टिफिकेट, मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष, भूतपूर्व सैनिक के परियच हेतु आनलाइन सेवाएं, तथा सरकारी गैर कर राजस्व समेकित मदो में ए श्रेणी प्राप्त कर उपलब्धी हासिल की हैं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में महिला कल्याण विभाग से सम्बंधित योजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न

रानी लक्ष्मी बाई महिला एवं बाल सम्मान योजना के अन्तर्गत जिला संचालन समिति के स्तर पर लम्बित 89 प्रकरणों को एक सप्ताह में निस्तारित करने के दिए निर्देश

भारत संवाद

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में महिला कल्याण विभाग से सम्बंधित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, स्पांसरशिप योजना, वन स्टॉप सेंटर, चाइल्ड लाइन, कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना सहित विभाग द्वारा संचालित अन्य योजनाओं की प्रगति एवं अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गयी।बैठक में जिलाधिकारी ने कन्या सुमंगला योजना की समीक्षा करते हुए लम्बित आवेदनों को जल्द से जल्द निस्तारित कराये जाने के निर्देश दिए है। रानी लक्ष्मी बाई महिला एवं बाल सम्मान योजना के अन्तर्गत जिला संचालन समिति के स्तर पर लम्बित 89 प्रकरणों को एक सप्ताह में निस्तारित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने जनपद में नए स्वीकृत वन स्टॉप सेंटर के भवन निर्माण हेतु सम्बंधित उपजिलाधिकारी से वार्ता कर जमीन चिन्हित करने एवं जमीन का प्रस्ताव उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने जिला प्रोबेशन अधिकारी को मुख्यमंत्री एकल श्रमजीवी महिला छात्रावास निर्माण हेतु भूमि को चिन्हित करते हुए प्रस्ताव भेजने के लिए कहा है।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी श्री सर्वजीत सिंह सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संकल्प मिलकर मानवता की मशाल जलाएँ और इस अंधकारमय समय में प्रकाश बनें

विश्व मानवता दिवस! करुणा, सेवा और एकता का वैश्विक संकल्प

- असली परिवर्तन तभी संभव है जब वैश्विक सहयोग और स्थानीय नेतृत्व एक साथ कदम मिलाएँ
- मानवता ही सबसे बड़ा धर्म : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

भारत संवाद

ऋषिकेश। आज पूरी दुनिया विश्व मानवता दिवस मना रहा है। यह दिन हमें उन महानायकों की याद दिलाता है, जो संकट के समय अपनी जान जोखिम में डालकर दूसरों की मदद करते हैं। यह दिन एक स्मृति है, एक आह्वान है, करुणा के साथ जीने का, सेवा को अपनाने का और एकता को धर्म बनाने का।

भारतीय सनातन संस्कृति का मूल मंत्र है ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व। जब दुनिया हिंसा, युद्ध और जलवायु संकट से जूझ रही है, तब यह मंत्र पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है और हमें याद दिलाता है कि धरती एक परिवार है और मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है।

करुणा, सेवा और एकता, ये केवल तीन शब्द नहीं बल्कि आदर्श हैं और मानवता का आधार हैं। करुणा हमें सिखाती है कि दूसरों का दुख देखकर संवेदना से भर उठें और उनकी पीड़ा को अपना समझें। सेवा हमें यह मार्ग दिखाती है कि केवल शब्दों से नहीं, बल्कि कर्मों से समाज का सहारा बनें और एकता हमें यह संदेश देती है कि सीमाओं, भाषाओं और धर्मों से परे जाकर एक साझा परिवार की तरह जिएँ। असली परिवर्तन तभी संभव है जब वैश्विक सहयोग और स्थानीय नेतृत्व एक साथ कदम मिलाएँ। यदि केवल बड़े अंतरराष्ट्रीय संगठन ही प्रयास करें और जमीनी स्तर पर समुदाय भागीदार न बनें, तो मानवीय कार्य अधूरा रह जाता है। और यदि केवल स्थानीय समुदाय प्रयास करें लेकिन उन्हें संसाधन और सहयोग न मिले, तो उनकी क्षमता सीमित रह जाती है।

मानवता का सच्चा रूप तभी सामने आता है जब वैश्विक और स्थानीय दोनों शक्तियाँ मिलकर एक साझा संकल्प के साथ कार्य करती हैं। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ संसाधन और तकनीक दें और स्थानीय लोग अपनी समझ, अनुभव और जमीनी ज्ञान से दिशा दें, तो मदद सबसे तेज और प्रभावी ढंग से पहुँचती है।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि विश्व मानवता दिवस हमें झकझोरता है कि हम अपने-अपने जीवन में छोटी-छोटी सेवाओं के माध्यम से एक बेहतर दुनिया बना सकते हैं। किसी भूखे को भोजन देना, निराश को सहारा देना, आपदा में पीड़ितों की मदद करना, ये सब कदम उस वैश्विक आंदोलन का हिस्सा हैं, जिसे मानवता कहते हैं। मानवता दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि नायक वे होते हैं, जो संकट में भोजन, जल और आशा लेकर पहुँचते हैं।

स्वामी जी ने कहा कि करुणा की कोई सीमा नहीं होती और प्रेम ही वह शक्ति है, जो हर अंधकार को प्रकाश में बदल सकता है। यह न भाषा देखती है, न धर्म, न रंग, न भूगोल। जब हृदय में करुणा जागती है तो वह हर दर्द को अपना बना लेती है और हर आँसू को पोंछने का संकल्प लेती है। प्रेम ही वह दिव्य शक्ति है, जो सबसे गहरे अंधकार को भी प्रकाश में बदल देती है। नफरत जहाँ दीवारें खड़ी करती है, वहीं प्रेम उन दीवारों को तोड़कर पुल बनाता है। यही प्रेम और करुणा मिलकर मानवता को सशक्त बनाते हैं।युवा पीढ़ी इस आंदोलन की सबसे बड़ी आशा है। यदि उनकी ऊर्जा और रचनात्मकता करुणा और सेवा की ओर प्रवाहित हो, तो दुनिया बदल सकती है। यह दिन युवाओं को यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि वे केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज और पृथ्वी के लिए जिएँगे।आइए, हम सब मिलकर मानवता की मशाल जलाएँ और इस अंधकारमय समय में प्रकाश बनें। यही हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है और यही आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे मूल्यवान उपहार।

सड़क, पेयजल, घाटो/गलियो की सफाई, पार्किंग सहित सभी कार्य 15 सितम्बर तक सम्बन्धित विभाग शत प्रतिशत पूर्ण कराना करें सुनिश्चित -जिलाधिकारी

भारत संवाद

मीरजापुर - मॉ विन्ध्यवासिनी देवी के धाम विन्ध्याचल में आगाती 21/22 सितम्बर 2025 की मध्य रात्रि से प्रारम्भ होकर दिनांक 01 अक्टूबर 2025 तक चलने वाले शारदीय नवरात्र मेला को सकुशल सम्पादित कराए जाने के दृष्टिगत जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने कलेक्ट्रेट सभागार में सभी सम्बन्धित अधिकारियों, कार्यदायी एजेंसियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कह कि जनपद मीरजापुर नगर क्षेत्र व विन्ध्याचल में सड़को की मरम्मत लोक निर्माण विभाग अभी से भ्रमण कर यह सुनिश्चित करें कि श्रद्धालुओं के आवागमन के दृष्टिगत विन्ध्याचल जाने वाले मार्गो पर कहीं गड्ढा आदि न हों। उन्होंने कहा कि अभी से कार्य प्रारम्भ करना सुनिश्चित करें ताकि समय रहते पूर्ण किया जा सकें। इसी प्रकार जल निगम विभाग नगरीय को निर्देशित करते हुए कहा कि मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं के लिए पेयजल की दिक्कत न होने पाए इसके लिए हर घर नल से जल योजना के तहत दिए गए कनेक्शन के साथ ही ओवरहेड टैंक, हैण्डपम्प आदि का निरीक्षण करते हुए मरम्मत सुनिश्चित करा लिया जाए। उन्होंने कहा कि मेला के दौरान मीरजापुर के नगर व विन्ध्याचल क्षेत्र में कहीं भी गड्ढा की खोदाई व सड़को पर खोदाई कार्य नही किया जाएगा जो भी कार्य करना हो 15 सितम्बर 2025 से पूर्व कराते हुए पूर्ण करा लें। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मीरजापुर को निर्देशित करते हुए कहा कि अस्थायी पेयजल व्यवस्था हेतु मेला क्षेत्र में टैंकरो की उपलब्धता के साथ ही खराब हैण्डपम्पों/नालो की मरम्मत एवं टोटियों को बढ़ाए जाने की व्यवस्था, विन्ध्याचल में नगर पालिका क्षेत्र के अन्तर्गत प्रकाश बिन्दुओं का परीक्षण एवं मरम्मत कार्य, स्वामित्वाधीन सड़को/गलियों/नालियों की मरम्मत कार्य, नाली व नालो का सफाई कार्य, प्राइवेट वाहन स्टैण्डो के स्वामियों से वार्ता कर रेट लिस्ट निर्धारित करना व वाहन स्टैण्डो को समय से संचालित कराया जाना, पूरे मेला क्षेत्र/घाटो पर अस्थायी मजबूज बैरीकेटिंग व्यवस्था, गंगा के किनारे महिलाओं के वस्त्र बदलने टेंट/इनक्लोजर की व्यवस्था, पूरे मेला क्षेत्र में ध्वनि विस्तारक यंत्र, खोया पाया केन्द्र, घाटो के ऊपर अस्थायी शौचालय का निर्माण सहित अन्य सभी कार्यो को समय रहते पूर्ण कराना सुनिश्चित कराएं। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत को निर्देशित किया गया कि अष्टभुजा रैन बसेरा पर सफाई एवं वाहन स्टैण्ड की व्यवस्था, रैन बसेरा पर चिकित्सीय शिविर की व्यवस्था, ग्रामीण क्षेत्रो में दुकानों की सूची तैयार करना, रैन बसेरो पर दरी को बिछवाना, अष्टभुजा व कालीखोह मन्दिरो से अतिक्रमण हटवाए जाना, पहाड़ी त्रिकोण मार्ग की मरम्मत, श्रद्धालुओं के पैदल आवागमन मार्ग को सुलभ बनाया

कैंटर ने बाइक सवार को रौंदा चाची-भतीजे को मारी टक्कर दोनों की हुई , मौके पर मौत

भारत संवाद

वाइक सवार चाची-भतीजे को तेज रफ्तार टाटा कैंटर 709 ने टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार चाची-भतीजे की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दोनों मृतकों के पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये अलीगढ़ भेज दिया है गोंडा पुलिस ने पीछा करते हुए हादसा करने वाली गाड़ी को गांव अहलाद पर पकड़ लिया है। ड्राइवर गाड़ी छोड़कर भाग गया। थाना गौंडा क्षेत्र के गांव मुरवार के पास गौंडा टंकी वाला मोहल्ले के रहने वाले सोनू उर्फ दुर्गा पुत्र धर्मवीर सिंह (32) अपनी चाची मीरा पत्नी स्वर्गीय मुकेश कुमार (45) अपनी बाइक से इगलास किसी निजी कार्य के लिये जा रहे। मुरवार से आगे विमल मंदिर पर इगलास की तरफ से तेज गति से आ रही टाटा 709 ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी जिसमे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई सोनू पर एक पुत्र 9 महीने का था उसकी बीवी का और परिवारों बालों का रो-रो कर बुरा हाल है वही मीरा देवी ने अपने पीछे दो लड़की शादीशुदा व दो लड़के जिनकी अभी शादी नहीं हुई है पीछे छोड़ा है उनका रो-रो कर बुरा हाल है और सभी क्षेत्र वासियों ने बताया कि इस जगह पर ऐसी ही कई दर्द नाक घटना पहले भी हो चुकी है ।

किसानों ने गन्ना भुगतान कराये जाने का ज्ञापन डीएम को सौंपा

भारत संवाद

सहारनपुर। गन्ना उत्पाद किसानों ने शाकुंभरी शुगर मिल, टोडरपुर (जनपद सहारनपुर) द्वारा गन्ना किसानों के भुगतान में विलंब के संबंध व तीन सूत्रीय मांगो को लेकर एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौपकर किसानो का भुगतान यथाशीघ्र दिलवाये जाने की मांग की।

जिलाधिकारी को दिए ज्ञापन में गन्ना उत्पाद किसानों ने अवगत कराते हुए बताया कि हम टोडरपुर, जनपद सहारनपुर स्थित शाकुंभरी शुगर मिल से जुड़े गन्ना उत्पादक किसान हैं। प्रतिवर्ष हम अपनी गन्ने की फसल उक्त मिल को आपूर्ति करते हैं। पराई सत्र 2024-2025 में भी हमने किसानों ने अपना गन्ना उक्त मिल को आपूर्ति किया, जिसमें लगभग 26.68 लाख क्विंटल

गन्ने की पेराई की गई, जिसकी कुल अनुमानित लागत 99 करोड़ रुपयें है। मिल का संचालन 5 नवम्बर 2024 से 3 मार्च 2025 तक किया गया। मिल प्रबंधन द्वारा अब तक केवल 22 जनवरी 2025 तक की आपूर्ति का ही भुगतान किया गया है, जबकि 23 जनवरी से 3 मार्च 2025 तक की आपूर्ति का भुगतान, जो लगभग 30 करोड़ रुपये है, अभी तक लंबित है।

किसानो ने अपनी मांगो को अवगत कराते हुए बताया कि बकाया भुगतान किसानों को एकमुश्त दिलाया आए तथा शुगरकेन (कंट्रोल) ऑर्डर, 1966 के प्रावधानों के अनुसार 14 दिनों से अधिक विलंब पर न्यूनतम 15 परसेन्ट वार्षिक ब्याज सहित भुगतान सुनिश्चित किया जाए, साथ ही उत्तर प्रदेश शुगरकेन (रेगुलेशन ऑफ सप्लाई एंड परचेज) एक्ट, 1953 की धारा 17 के अंतर्गत देय ब्याज वसूली की कार्यवाही भी लागू मानी जाए। आगामी पेराई सत्र में हम सभी किसानी का गन्ना किसी अन्य उपयुक्त चीनी मिल को आरक्षित किया जाए। जितनी चीनी विक्री की गई उसके सापेक्ष किसानों को भुगतान नहीं किया गया है, जिसकी लांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही कराई जाए।

जिलाधिकारी से किसानो ने ज्ञापन के माध्यम से मांग करी कि कृपया इस विषय में तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित मिल प्रबंधन के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें तथा किसानों का शेष भुगतान यथाशीघ्र दिलवाने की कृपा करें। ज्ञापन देने वालो में राजीव कुमार, योगेश, रजनीश, आशीष त्यागी, युद्धघ्वीर सिहं, सुधीर त्यागी, संदीप, एम.के. त्यागी, प्रवीण राणा, अरुण कुमार, योगेन्द्र कुमार, वकील, अरशद, राशिद आदि मौजूद रहे।

फास्ट ट्रैक

पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

सहारनपुर। रोटरी क्लब सेंट्रल के द्वारा आज एक पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन भगवती पार्क बेहट रोड में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सहायक गवर्नर सिकंदर बत्रा ने किया। क्लब अध्यक्ष गिरीश डांग तथा सचिव रमणीक सचदेव ने बताया कि इस अवसर पर 10 वृक्ष लगाए गए। जिनमें कदंब,सिल्वर ओंक,रात की रानी तथा अन्य छायादार वृक्ष सम्मिलित है। कार्यक्रम में क्लब के सुनील भगत पूजा कपूर विजय भसीन विकास निझावनअमित चैहान मेघा चड्ढा दक्ष चड्ढा आदि सदस्य उपस्थित रहे।निकटवर्ती निवासी रोटरी क्लब के निर्वाचित अध्यक्ष दक्ष चड्ढा ने संकल्प लिया कि वह इन 10 वृक्षों की देखरेख स्वंयम करेंगे तथा भविष्य में और अधिक पेड़ भी इसी माह लगाए जाएंगे।

अलंकर्ता नारी शक्ति ने किया भव्य कृष्ण उत्सव का आयोजन

सहारनपुर। अलंकर्ता नारी शक्ति द्वारा भव्य कृष्ण उत्सव का आयोजन स्थानीय अग्रवाल धर्मशाला में किया गया। इस अवसर पर शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलमयी गणेश वंदना से हुआ। मचसंचालन अध्यक्षा श्रीमती सुमन गर्ग ने किया।सचिवा स्वाति गर्ग, सचिवा आरती गुप्ता एवं कोषाध्यक्षा नितुल गुप्ता द्वारा भक्तिमय छप्पन भोग का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें सभी भक्तगण भाव-विभोर हो उठे।कार्यक्रम की विशेषता सुंदर राधादृकृष्ण की झांकी रही, जहाँ सजीव रूप में तैयार कलाकारों ने दर्शकों का मन मोह लिया। मंच पर विविध नाट्य-नाटिकाएँ प्रस्तुत की गईं, जिनमें सुदामा चरित्र एवं यशोदादृकृष्ण संवाद ने सभी को भावविह्वल कर दिया। इस अवसर पर अर्चना, कविता, रीना गर्ग रीना गोयल, चांदनी , बरखा,प्रीति,मीनाक्षी तूलिका , पूजा गर्ग, पूजा मित्तल, भावना, अनन्या, दिव्या, रुचि ,संगीता एवं अन्य सखियां शामिल हुई।

ओवरब्रिज पर पैदल चलने के लिए सीढी निर्माण की मांग

सहारनपुर। शारदा नगर ओवर ब्रिज पर पैदल चलने के लिए सीढिया के निर्माण हेतु जंगह उपलब्ध कराने के सम्बंध में एक प्रार्थना पत्र जिलाधिकारी को सौपकर पैदल चलने वालों के लिए सीढियों का निर्माण कार्य बिना किसी बाधा के पूर्ण किये जाने की मांग की गई। जिलाधिकारी को दिए प्रार्थन पत्र में प्रमोद चैधरी व ब्रहमपाल सिंह निवासी मैदा मिल फाटक शारदा नगर, सहारनपुर ने बताया कि उपरोक्त विषय पर एक प्रार्थना पत्र पूर्व सांसद के कायार्लाय पर दिया गया था। जिस पर डेडीकेटेड फेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लि0 द्वारा उनकी सीढिया स्वीकृत हो गयी है। जिस पर विभाग को कुछ कठिनाईया आ रही है जिसके कारण निर्माण कार्य रूका हुआ है। जिसके कारण क्षेत्र के छः स्कूल व कॉलेज है तथा छः बैंक है तथा प्रतिदिन जोखिम भरे रास्ते से लगभग 8500 व्यक्ति व बच्चे प्रतिदिन गुजरते है। सांसद, जिलाधिकारी सहारनपुर अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0 सहारनपुर को आवश्यक कार्यवाही हेतु पत्र लिखा जिस पर इस सम्बन्ध में कोई कार्यवाही नही हुई। जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में मांग की कि डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लि. को जंगह का निरीक्षण कराके जंगह उपलब्ध कराने का कष्ट करें। ताकि सीढियों का कार्य समय पर पूरा हो सके। ताकि पैदल चलने वालों के लिऐ सीढियों का निर्माण कार्य बिना किसी बाधा के पूर्ण किया जा सकें। प्रार्थन पत्र देने वालो में प्रमोद चैधरी, ब्रहम पाल सिंह, भारत भूषण, सुनील आदि शामिल रहे।

तीन वारंटी पुलिस के हत्थे चढ़े

सहारनपुर। थाना बेहट पुलिस ने तीन वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। एसएसपी के निर्देशन में अपराध की रोकथाम व वारण्टी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी बेहट के निकट पर्यवेक्षण मे तथा प्रभारी निरीक्षक सतपाल सिंह भाटी के कुशल नेतृत्व में आज थाना बेहट पुलिस टीम द्वारा तीन वारंटियों नितिन कुमार पुत्र मुकेश नि0 ग्राम मरवा आलमगीर थाना बेहट सहारनपुर (वाद संख्या 9/17 कैनाल एणडड्रेनेज एक्ट-8 सन 1873 की धारा -70 न्यायालय विशेष न्यायियक मजिस्ट्रैट प्रथम), अरशद पुत्र दिलशाद नि0 ग्राम बाकरपुर थाना बेहट जनपद सहारनपुर (वाद सं0 1140/70 धारा 26,41,42,52 चालानी थाना बिहारीगढ जनपद सहारनपुर), आकिल पुत्र आबिद नि0 ग्राम चाण्डी थाना बेहट जनपद सहारनपुर (वाद सं0 2207160/17 धारा 25 ए एक्ट चालानी थाना बेहट जनपद सहारनपुर) को इनके मसकनों से गिरफ्तार कर लिया।

अजा एकादशी पर श्री श्याम बाबा मन्दिर सैफपुर धाम पर भक्तों का उमड़ा जन सैलाब

शिवप्रकाश दीक्षित अतरौली भारत संवाद

अलीगढ़/अतरौली क्षेत्र के ग्राम सैफपुर धाम स्थित बाबा खाटू श्याम मंदिर पर उमड़ा भक्तों का जन सैलाब भाद्र पद अजा एकादशी में हजारों की संख्या में भक्त दर्शन करते हैं। दिनांक 19 अगस्त को अजा एकादशी पर लगाई हजारों भक्तो ने धोक दूर दूर से आये श्रधालु दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, समेत देशभर से लाखों भक्त आते हैं। महंत श्री कुलदीप दास जी महाराज जी ने बताया खाटू श्याम अर्थात मां सैव्यम पराजितः। अर्थात जो हारे हुए और निराश लोगों को संबल प्रदान करते हैं। इनके लक्खी मेले की भी खास विशेषताएं हैं। कहते हैं कि जब बर्बरिक से श्रीकृष्ण ने शीश मांगा तो बर्बरिक ने रातभर भजन किया और फाल्गुन शुक्ल द्वादशी को स्नान करके पूजा की और अपने हाथ से अपना शीश काटकर श्रीकृष्ण को दान कर दिया। तभी से हर साल फाल्गुन में इनका लक्खी मेला लगता है।,महंत श्री कुलदीप दास जी महाराज, आचार्य जितेंद्र जी महाराज, पण्डित पंकज दीक्षित, चौधरी रवेंद्र, हर्ष शर्मा, चौधरी शत्यपाल , श्यामू चौधरी, परीक्षित प्रमोद शर्मा, कृष्ण गुप्ता, महिपाल सिंह, रोकी चौधरी, भीम सिंह, सिपाई सिंह नितिन गौड, एडवोकेट हरीश गौड, ऋषिपाल शर्मा, ओमप्रकाश फौजी, नेत्रपाल सिंह,आदि लोग मौजूद रहे।

डीएम की अध्यक्षता में विकास कार्यों और कर-करेत्तर एवं राजस्व संग्रह की समीक्षा बैठक संपन्न

राजस्व संग्रह में कमी आने पर डीएम जताई कड़ी नाराजगी

सभी एसडीएम को 01-01 करोड़ वसूली का लक्ष्य किया निर्धारित

बड़े बकाएदारों को नोटिस जारी कर कुर्की करने के दिए निर्देश

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से विकास कार्यों के साथ ही कर-करेत्तर एवं राजस्व संग्रह की समीक्षा की गई। समीक्षा में विकास एवं राजस्व कार्यों में माह जुलाई में जिले की संयुक्त रैंक 37 जबकि विकास में 26 और राजस्व में 56 रही। डीएम ने राजस्व संग्रह में कमी के कारण जिले की गिरती रैंक पर सभी एसडीएम के प्रति कड़ी नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि राजस्व संग्रह में तेजी लाते हुए शत-प्रतिशत वसूली के लक्ष्य को प्राप्त करना सुनिश्चित करें।डीएम ने सभी एसडीएम एवं अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक माह 25-26 तारीख में ही पोर्टल खोलकर देखें और उस पर शत-प्रतिशत फीडिंग करना सुनिश्चित करें ताकि जिले की रैंकिंग पर प्रतिकूल असर न पड़े। उन्होंने सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया कि वह तहसील के बड़े बकाएदारों की सूची को अद्यतन रखें और नोटिस जारी की कुर्की करना सुनिश्चित करें। स्टांप पंजीयन शुल्क में अपेक्षानुरूप कमी पाए जाने पर डीएम ने सभी एसडीएम के लिए 01-01 करोड़ की वसूली का लक्ष्य निर्धारित करते हुए इस दिशा में तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने न्यायालयों में लंबित विभिन्न वादों के निस्तारण की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि 10 साल पुराने सभी वादों का प्राथमिकता से निस्तारण कराते हुए उन्हें जल्द से जल्द समाप्त किया जाए। उन्होंने सभी एसडीएम एवं एसीएम को निर्देशित किया कि न्यायालयों में लंबित वादों के निस्तारण के लिए अपने स्तर से भी बैठक कर संबंधित की जिम्मेदारी तय करें ताकि वाद निस्तारण में तेजी लाई जा सके। बैठक में एमओयू मॉनिटरिंग, डिजीशक्ति पोर्टल, कृषक दुर्घटना बीमा योजना, पीएम आवास शहरी, आईजीआरएस, तालाब आवंटन, एंटी भू-माफिया, अभिलेख त्रुटि सुधार, पैमाइश समेत अन्य बिन्दुओं पर विस्तृत रूप से विचार-विमर्श कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में एडीएम प्रशासन पंकज कुमार, एडीएम वित्त प्रमोद कुमार, एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट समेत सभी एसडीएम, एसीएम, तहसीलदार एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डीएम ने किया पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय की वार्षिक पत्रिका नवोदय प्रभात का विमोचन

छात्रों में होगा सृजनात्मक कौशल एवं बौद्धिक क्षमता का विकासः डीएम

भारत संवाद

सहारनपुर जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय सहारनपुर की वार्षिक पत्रिका नवोदय प्रभात का विमोचन किया गया।

जिलाधिकारी ने बताया कि विद्यालय की नवोदय प्रभात पत्रिका का प्रकाशन प्रथम बार किया जा रहा है। इसमें कक्षा 6 से लेकर 12वीं तक के छात्र-छात्राओं, अध्यापकों एवं दैनिक क्रियाकलापों का विस्तार से विवरण प्रस्तुत किया गया है। जिसके माध्यम से छात्र-छात्राओं में रचनात्मक लेखों के प्रति रुझान उत्पन्न होगा और पत्रिका विद्यालय के गौरवमयी क्षणों को इतिहास बनाने में अपना योगदान देगी।

विद्यालय के प्राचार्य राजकुमार ने पत्रिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी और बताया कि इसमें छात्र-छात्राओं ने अपनी मूल रचनाओं को प्रस्तुत किया है। जिससे उनके सृजनात्मक प्रतिभा का विकास दिखाई देता है और विद्यालय की प्रगति को प्रदर्शित करता है।

जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में विकास कार्यों/50 लाख से अधिक लागत की निमार्णाधीन परियोजनाओं की प्रगति समीक्षा बैठक उ0प्र0 सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से हुई आयोजित

भारत संवाद

सुलतानपुर ,जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता व मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक की उपस्थिति में नवीन कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों व 50 लाख से अधिक लागत की निमार्णाधीन परियोजनाओं की प्रगति समीक्षा बैठक उ0प्र0 मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के माध्यम से आयोजित की गयी। उक्त बैठक में विभागवार संचालित परियोजनाओं की प्रगति समीक्षा सम्बन्धित विभाग के अधिकारी व कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि की उपस्थिति में की गयी। जिलाधिकारी महोदय द्वारा ग्राम विकास विभाग के अन्तर्गत डे-एनआरएलएम बैंक क्रेडिट लिंकेज में कैटेगरी सी होने पर डीसी एनआरएलएम को निर्देशित किया गया कि चालू वित्तीय वर्ष में बैंक क्रेडिट लिंकेज कराये जाने के लक्ष्य के सापेक्ष और प्रगति लाते हुए रैंक में सुधार लायें। इसी प्रकार उद्यान विभाग के अन्तर्गत कुल 5 प्रोजेक्ट सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित न होने पर जिला उद्यान अधिकारी को निर्देशित किया गया कि डाटा फीडिंग का कार्य सही से करा लें। इसी प्रकार चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के अन्तर्गत सिटी स्कैन व बायोमेडिकल रखरखाव में जनपद की रैंक कम होने पर और प्रगति लाने के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिये गये। जिलाधिकारी महोदय द्वारा फैमिली आईडी निर्माण में जनपद की रैंक 32वीं होने पर जिला विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया कि लगातार निगरानी रखते हुए रैंक में सुधार लायें।

गया-दिल्ली नई अमृत भारत रेलगाड़ी का शुभारंभ

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेलयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 13697/13698 गया-दिल्ली (सप्ताह में दो दिन) नई अमृत भारत एक्सप्रेस के शुभारंभ का निर्णय लिया गया है, दिनांक 22.08.2025 को गाड़ी संख्या 03621 गया से उद्घाटन विशेष रेलगाड़ी के रूप में चलेगी एवं गाड़ी संख्या 13697/13698 गया-दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस की नियमित सेवा निम्नलिखित समय सारणी के अनुसार होगी, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी सं. 03621 गया-दिल्ली (सप्ताह में दो दिन) उद्घाटन विशेष रेलगाड़ी

स्टेशन	गाड़ी संख्या - 03621 गया - दिल्ली	
	आगमन	प्रस्थान
गया जं.	.....	10:50 (ओपन टाइम)
सूबेदार गंज	17:20	17:25
गोविन्दपुरी	20:15	20:20
टूण्डला जं.	23:30	23:35
दिल्ली जं.	04:30	.....

नई गाड़ी सं. 13697/13698 गया-दिल्ली (सप्ताह में दो दिन) अमृत भारत एक्सप्रेस की नियमित सेवा

गाड़ी संख्या - 13697 गया - दिल्ली			गाड़ी संख्या - 13698 दिल्ली - गया	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
.....	16:30	गया जं.	08:55	.....
22:55	23:00	सूबेदार गंज	01:10	01:15
01:35	01:40	गोविन्दपुरी	19:55	20:00
05:55	06:00	टूण्डला जं.	16:50	16:55
12:00	.....	दिल्ली जं.	.....	14:00

- **गया से** गाड़ी संख्या 13697, **दिनांक :** 28.08.2025 से अगले निर्देश तक।
- **दिल्ली से** गाड़ी संख्या 13698, **दिनांक :** 29.08.2025 से अगले निर्देश तक।

गाड़ी संरचना : सामान्य श्रेणी : 11, स्लीपर श्रेणी : 08, पेन्ट्रीकार : 01

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 1494/25(AS)

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सं0: पी आर वाइ जे-सिग-014-2025-26 **दिनांकः 14.08.2025**

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/संकेत एवं दूरसंचार/उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। **कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।**

निविदा नं.:014	**अनुमानित मूल्य :** ₹ 20965067.59	**बिड सिक्यूरिटी :** ₹ 254800.00

कार्य का विवरणः जिवनाथपुर यार्ड में एमएसडीएसी का प्रावधान। (मण्डल का इन्टरचेन्ज प्वाइंट के कारण)

निविदा प्रपत्र का मूल्यः 0.00	**कार्य समापन की अवधिः** बारह माह

निविदा खुलने की तिथिः 10.09.2025

2.निविदा प्रपत्रों की उपलब्धताः निविदा प्रपत्र **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

3.निविदा खुलने का समय तथा स्थानः निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12.30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी। **1471/25(DG)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या-230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2025/575 **दिनांक 14.08.2025**

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं0 : 230-क0वि0-कार्य ठेका-966-2025	**अनुमानित लागत :** रू 2,62,77,162.93

कार्य का विवरण : प्रयागराज मंडल के पंडित दीन दयाल उपाध्याय-झींझक खंड में कंपोजिट इंसुलेटर (सीडी 1050 मिमी) को पोर्सिलेन इंसुलेटर से बदलने का कार्य।

बिड सुरक्षा राशि : रू0. 2,81,400.00	**कार्य अवधि :** 12 महीना
बोली प्रणाली : एक पैकेट	**निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय :** 08.09.2025, 14:00 बजे

निविदा खुलने की तिथि तथा समय : 08.09.2025, 15:00 बजे

नोट :- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) बेवसाइट **www.ireps.gov.in** पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई.बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ **IREPS** की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए **IREPS** की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। **1466/25 (C)**

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या :-वि0/ग0श0य0/प्रयागराज/ई टेंडर सूचना/2025/50 दिनांक : 14.08.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य बिजली इंजीनियर/गति शक्ति यूनिट/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक-**08.09.2025** समय **15:00** बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

निविदा संख्या : GSU-EL-WC-62-2025	**काम की लागत (रू. में) : 48,80,571.91**

कार्य का नाम : अमृत भारत स्टेशन स्कीम के अन्तर्गत, कानपुर अनवरगंज स्टेशन पर फेज -1 में बचे हुए पुर्नविकास कार्यों को पूरा करने के लिए विद्युत कार्य।

बिड सिक्योरिटी (रू. में) : 97,600.00	**कार्य समाप्त करने की समयावधि : 06 माह**

निविदा खुलने की तिथि : 08.09.2025, समय - 15:30 बजे

नोटः- 1. उपरोक्त ई-निविदा की निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। **2.** उपरोक्त निविदाओं के लिए ई-बोली के अलावा अन्य बोलियां स्वीकार नहीं की जाएंगी। इस प्रयोजन के लिए, विक्रेताओं को डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ आई आर ई पी एस वेबसाइट पर खुद को पंजीकृत कराना आवश्यक है। **3.** किसी भी कठिनाई के मामले में **IREPS** की वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्प डेस्क से संपर्क किया जा सकता है। **1467/25 (D)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा स0: पी आर वाइ जे-सिग-015-2025-26

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से मंडल रेल प्रबन्धक / संकेत एवं दूरसंचार / उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा **ई-टेन्डर** के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये **खुली निविदा**, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को **12.00** बजे तक आमंत्रित की जाती है। **कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।**

निविदा नं. : 015	**अनुमानित मूल्य :** 15624926.71

कार्य का विवरण : (ए) एडीईएन/फतेहपुर के अन्तर्गत प्रयागराज-कानपुर सेक्शन में विभिन्न यार्डो के सुधार के लिये संकेत एवं दूरसंचार का कार्य (15 यार्ड), (बी) एडीईएन/एल/प्रयागराज के अन्तर्गत प्रयागराज-कानपुर सेक्शन में विभिन्न यार्डो के सुधार के लिये संकेत एवं दूरसंचार का कार्य (15 योर्ड), (सी) एडीईएन/चुनार और मिर्जापुर के अन्तर्गत दीन दयाल उपाध्याय-प्रयागराज सेक्शन में विभिन्न यार्डों के सुधार के लिये ट्रैक नवीनीकरण कार्यों का प्रावधान (18 यार्ड) और (डी) एडीईएन/चुनार के अन्तर्गत चुनार-चोपन में विभिन्न यार्डों के सुधार के लिए ट्रैक नवीनीकरण कार्य (08 यार्ड)।

बिड सिक्यूरिटी : 228100.00	**निविदा प्रपत्र का मूल्य :** 0.00
कार्य समापन की अवधि : बारह माह	**निविदा खुलने की तिथि :** 11.09.2025

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता : निविदा प्रपत्र **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

निविदा खुलने का समय, तथा स्थान : निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12.30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी। **1470/25 (AS)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित। संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939 (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

लेना है विदेश में एजुकेशन इन बातों का ध्यान रखें

उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए जरूरी है कि वे इसके लिए फोकस्ड तैयारी करें। उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए जरूरी है कि वे इसके लिए फोकस्ड तैयारी करें। इस बारे में यहां उपयोगी सलाह दे रही हैं आदित्य बिड़ला वर्ल्ड अकेडमी की हेड करियर गाइडेंस काउंसलर।

विद्यार्थियों को यूनिवर्सिटी के बारे में सोचना कब से शुरू कर देना चाहिए?

आठवीं से ही। हम उनसे कहते हैं कि वे अपने करियर के बारे में सोचना और उस पर काम करना शुरू कर दें। कौन-से विषय वहां तक पहुंचने में आपकी मदद करेंगे, कौन-से कॉलेज में पढ़ाई करनी है, ये सारे फैसले बाद में लेने होंगे। यह जरूरी नहीं कि आप विदेशी यूनिवर्सिटीज की ओर ही देखें। भारत में भी बेहतरीन यूनिवर्सिटीज हैं। जरूरी यह है कि आप फोकस्ड रहें।

क्या एक साल का गैप लेना ठीक है, जो आजकल ट्रैंड बनता जा रहा है?

गैप ईयर का परसेप्शन बदल रहा है। महत्वपूर्ण यह है कि कोई विद्यार्थी कैसे साल बिताता है। गैप लेने के बाद जिनकी एप्लिशेन स्ट्रॉन्ग होती है, वे अकेडेमिकली भी स्ट्रॉन्ग होते हैं। अपने सफर के दौरान वे कई तरह की इंटर्नशिप भी करते रहते हैं। यूनिवर्सिटीज भी यही देखती हैं। वे जानना चाहती हैं कि विद्यार्थी कैसे अपने समुदाय को सशक्त बनाते हैं।

इंटर्नशिप कितनी जरूरी है?

समर इंटर्नशिप करियर के बारे में आपका नजरिया बदल सकती है। मैं एक उदाहरण देना चाहूंगी। एक छात्रा ने हमसे कहा कि आर्ट और कलर उसकी जिंदगी है। वह आर्टिस्ट बनना चाहती थी लेकिन स्टूडियो में इंटर्नशिप के दौरान उसे एहसास हुआ कि वह मार्केट और आर्ट की सेल के बारे में कहीं अधिक इच्छुक थी। इसलिए आखिर में उसने मैनेजमेंट कोर्स जॉइन कर लिया।

सही यूनिवर्सिटी का चुनाव कैसे करना चाहिए?

सही चॉइस ही आपको सही नौकरी, सही करियर, सही माहौल और यहां तक कि सही पार्टनर तक पहुंचाती है। इसलिए तमाम संभावनाओं पर विचार करने के बाद ही तय करें कि आप सबसे अधिक कहां फिट बैठते हैं। भारत में पैरेंट्स अपनी आय का 70 प्रतिशत हिस्सा बच्चों की शिक्षा पर खर्च करते हैं। मगर जब कोई स्टूडेंट चार साल यूनिवर्सिटी में बिताता है, तो हमें खुद से सवाल पूछना होगा कि क्या वह वहां खुश है!

स्टेटमेंट ऑफ पर्पज (एसओपी) में यूनिवर्सिटी क्या देखती है?

एसओपी में यूनिवर्सिटी आपके बारे में ज्यादा जांचना चाहती है। ऐसा अमेरिका व ब्रिटेन की यूनिवर्सिटीज में खास तौर पर होता है। मैं सलाह देती हूं कि एसओपी खुद तैयार करें। इसके लिए किसी और को हायर न करें।

अंतरिक्ष के रहस्यों को सुलझाने का मौका देगा एयरोस्पेस इंजीनियरिंग

एयरोस्पेस इंजीनियरिंग आपको अंतरिक्ष के रहस्यों को सुलझाने के साथ आपके सपनों को साकार करने का मौका देगा। इस क्षेत्र में एयरोस्पेस इंजीनियर का मुख्य काम एयरक्राफ्ट, स्पेस क्राफ्ट, उपग्रह और मिसाइलों को डिजाइन करना है। साथ ही सभी डिजाइन का सही आकलन करने के लिए उनके प्रोटोटाइप का परीक्षण करते हैं। इसके अलावा ये निर्धारित योजनाओं के अनुकूल कार्य भी करते हैं।

अगर आप बचपन में आसमान में उड़ते प्लेन को देखकर उत्साहित हो जाते थे और अब भी नीले आसमान में उड़ान भरने के साथ अंतरिक्ष का सैर करना चाहते हैं तो एयरोस्पेस इंजीनियरिंग आपके लिए एकदम सही करियर विकल्प है। एयरोस्पेस इंजीनियरिंग आपको अंतरिक्ष के रहस्यों को सुलझाने के साथ आपके सपनों को साकार करने का मौका देगा। इस क्षेत्र में एयरोस्पेस इंजीनियर का मुख्य काम एयरक्राफ्ट, स्पेस क्राफ्ट, उपग्रह और मिसाइलों को डिजाइन करना है। साथ ही सभी डिजाइन का सही आकलन करने के लिए उनके प्रोटोटाइप का परीक्षण करते हैं। इसके अलावा ये निर्धारित योजनाओं के अनुकूल कार्य भी करते हैं।
इन कार्यों के अलावा इस क्षेत्र में कार्य करने वाले इंजीनियर एयर क्राफ्ट की ताकत उसकी क्षमता, विश्वसनीयता और विमान तथा उसके अन्य पार्ट्स का लम्बे समय तक टिकाऊ बने रहने के लिए ध्वंसात्मक तथा गैर ध्वंसात्मक परीक्षण की दिशा में कार्य कर सकते हैं या फिर कार्य करने के लिए निर्देश दे सकते हैं।

एयरोस्पेस इंजीनियर का कार्य

इस क्षेत्र में एयरोस्पेस इंजीनियर का कार्य स्पेसक्राफ्ट, डिफेंस सिस्टम और एविएशन और एविओनिक्स में इस्तेमाल होने वाली नई इंजीनियरिंग तकनीकों को तैयार करना है। इसके अलावा एक एयरोस्पेस इंजीनियर वायुगतिकीय द्रव प्रवाह जैसे क्षेत्रों में कुशल होता है। जैसे- संरचनात्मक डिजाइनय मार्गदर्शन, नेविगेशन और नियंत्रण इंस्ट्रूमेंटेशन और संचार, रोबोटिक्स, या प्रणोदन और दहन आदि। साथ ही वे विभिन्न प्रकार के एयरोस्पेस मशीनरी को डिजाइन करने का प्रशिक्षण भी प्राप्त करते हैं। उदाहरण के लिए वाणिज्यिक विमान, हेलीकॉप्टर, युद्धक विमान अंतरिक्ष यान, उपग्रह, प्रक्षेपण वाहन, रॉकेट और मिसाइल।
एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के लिए एजुकेशन
अगर आप एयरोस्पेस में इंजीनियरिंग करना चाहते हैं तो आपको न्यूनतम स्नातक की डिग्री यानी बीई या फिर बीटेक व बीएस या फिर किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से समकक्ष की आवश्यकता होती है। इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री उन उम्मीदवारों के लिए एक 4 वर्ष का कार्यक्रम है, जिन्होंने भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित के साथ कक्षा 12वीं की शिक्षा पूरी की है। टफ मैथ्य और कम्प्यूटेशनल फार्मुलों के साथ भौतिकी की गतिशीलता को समझना एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में स्नातक कार्यक्रम में दाखिला लेने के लिए कुछ आवश्यक लक्षण हैं। वहीं एमएसए एमटेक और पीएचडी आदि विश्वविद्यालयों जैसे स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए निबंध परीक्षा और व्यक्तित्व साक्षात्कार के बाद मानकीकृत परीक्षा में स्कोर करना जरूरी है।

क्रिएटिव थिंकिंग एबिलिटी

एक एयरोस्पेस इंजीनियर में क्रिएटिव थिंकिंग एबिलिटी होना चाहिए। सीधी बात कि उनमें यह सोचने में सक्षम होना चाहिए कि किन परिस्थितियों में डिजाइन, सामग्री और अंतिम उत्पाद या परियोजना विफल हो सकती है और एक गड़बड़ या विफलता के मामले में वैकल्पिक विकल्प क्या होने चाहिए।

टीम वर्कर

एक एयरोस्पेस इंजीनियर टीम में काम करता है, उसे काम के माहौल में सीखने और बनाने में सक्षम होने के लिए एक अच्छा टीम वर्कर होना चाहिए।

राइटिंग स्किल

एयरोस्पेस इंजीनियर के लिए यह बहुत जरूरी स्किल है कि उनके अंदर स्पष्ट लेखन के लिए अच्छा लेखन कौशल होना चाहिए और ऐसे डिजाइन बनाने चाहिए जो अन्य टीम के कार्यकर्ता पूरी तरह से समझ सकें।

एनालिटिकल स्किल

एयरोस्पेस मशीन के साथ विभिन्न वातावरणों के विकल्पों का सुझाव देने के लिए एयरोस्पेस मशीन और उसके डिजाइन की कार्य परिस्थितियों को समझने के लिए साउंड एनालिटिकल स्किल होने चाहिए।

बिजनेस स्किल

एयरोस्पेस इंजीनियर को यह पता होना जरूरी है कि वो जिस परियोजना में लगे हैं, उसकी लागत क्या होगी और कंपनी या सरकार को फायदा कैसे मिलेगा। क्योंकि सभी तरह के फायदे के लिए रूपरेख एयरोस्पेस इंजीनियर को बनानी पड़ती है।

भारत में एयरोस्पेस इंजीनियर

अगर आप एयरोस्पेस इंजीनियरिंग करना चाहते हैं तो आपको एयरलाइंस के अलावा वायु सेना, कॉर्पोरेट रिसर्च कंपनियों, रक्षा मंत्रालय, हेलीकाप्टर कंपनियों, विमानन कंपनियों में जॉब मिल सकती है। भारत के अंदर इस क्षेत्र में प्रमुख भर्ती करने वालों में से कुछ हैं हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड, रक्षा अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाएं, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, नागरिक उड्डयन विभाग, एयर इंडिया, भारत अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन व अन्य।

एयरोस्पेस इंजीनियर कहां काम करते हैं

इंजीनियर ज्यादातर सरकारी एजेंसियों और मेन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज में काम करते हैं। इसके अतिरिक्त, कुछ चुनिंदा एयरोस्पेस इंजीनियरों को नासा जैसे अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर काम करने के लिए भी चुना जाता है। वर्तमान में एयरोस्पेस इंजीनियर एयरोडायनेमिक्स के बेसिक कॉन्सेप्ट पर काम कर रहे हैं। साथ ही इनके पास एयरक्राफ्ट पावर प्लांट जैसे टर्बो प्रोप, पिस्टन इंजन और जेट्स के कामकाज के विषय में पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए। कुछ एयरोस्पेस इंजीनियर राष्ट्रीय रक्षा से संबंधित परियोजनाओं पर काम करते हैं और इसके लिए उन्हें सुरक्षा मंजूरी प्राप्त करनी पड़ती है।

जॉब के अवसर

इस क्षेत्र में जॉब के लिए आपके पास कम से कम इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन डिग्री होना आवश्यक है। कई ऐसे एम्प्लॉयर जो विशेष रूप से जो इंजीनियरिंग कंसल्टिंग सर्विसेज प्रदान करते हैं, उन्हें एक सर्टिफाईड इंजीनियर की आवश्यकता होती है। इस समय देश में निम्नलिखित संगठन जॉब दे रहे हैं।

- एयर फोर्स
- सरकारी अनुसंधान
- कॉर्पोरेट अनुसंधान
- हेलीकॉप्टर कंपनियां
- एयरलाइंस
- एयरशिप्स
- विमानन कंपनियां
- मिसाइल
- फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट
- रक्षा मंत्रालय
- उपग्रह
- अंतरिक्ष यान

सकारात्मकता को चुनते हैं देश और दुनिया के युवा

जीवन के और हमारे मन के भी दो पहलू होते हैं। हम या तो सकारात्मक होते हैं या नकारात्मक। यदि हम सकारात्मक होना चुनते हैं, तो यह आशा और आत्मविश्वास जगाता है। हम खुद पर भरोसा करना सीख लेते हैं। हम स्वप्रेरित होते हैं और दूसरों के लिए भी प्रेरणा बन जाते हैं। देश और दुनिया के युवा लीडर्स इन्हीं बातों पर जोर देते हैं।

जानी-मानी फैशन स्टाइलिस्ट हैं अमी पटेल। वे काजोल, लारा दत्ता, आलिया भट्ट, अक्षय कुमार और ऐसे ही कई दिग्गज बॉलीवुड स्टार्स के फैशन, उनके स्टाइल को मेंटेन रखने का काम करती हैं। उनके मुताबिक, स्टाइल फीका है यदि आपकी बॉडी लैंग्वेज, आपका चेहरा साथ नहीं दे रहा। यदि आप खुद अव्यवस्थित या कंफ्यूज रहते हैं, तो फैशन से इसे बदलना मुश्किल है। विचार आपका आईना हैं, यह ध्यान रखें। फिर आप जो भी पहनेंगे, लोग देखते रह जाएंगे। अमी खुद एक मेडिटेशन टीचर भी हैं और सोच को सकारात्मक बनाए रखने के लिए इसे बहुत जरूरी मानती हैं। उनके मुताबिक, हमें वह सब करना चाहिए, जिसकी वजह से हमारी सकारात्मक सोच को बनाए रखने में मदद मिल सके।

सीखने की ललक

जस्ट डायल के सीईओ वीएसएस मणि की सक्सेस स्टोरी भी कुछ इसी तरह की है। इसका सार यह है कि यदि आप विपरीत परिस्थिति में भी अपनी सोच को सकारात्मक बनाए रखने में सक्षम होते हैं, तो आपकी मंजिल ज्यादा दूर नहीं। वे कहते हैं, जब मैंने इस बिजनेस आइडिया के बारे में सोचा था, तो भारत में इंटरनेट का इतना प्रभाव नहीं था। एक तो मुश्किल आइडिया, उस पर घर की माली हालत खराब। काम शुरू करना है, तो पैसा चाहिए ही, सो मैंने दूसरे कामों के साथ जुड़कर घर की जिम्मेदारी भी संभाली और अपने बिजनेस आइडिया पर भी चुपचाप काम करता रहा। मणि आज भी अपने बिजनेस को 20 साल पुराना स्टार्ट-अप ही कहते हैं। उनके अनुसार, इससे सीखने की ललक बनी रहती है। जब तक यह इच्छा रहेगी, आपकी सोच भी सकारात्मक रहेगी। सकारात्मक लोग हमेशा कुछ-न-कुछ करते-सीखते रहते हैं।

समस्याओं से न भागें

मुझसे लोग हमेशा पूछते हैं कि आप तमाम जिम्मेदारियों से उपजे स्ट्रेस के बीच कुंठित क्यों नहीं होते, गुस्सा क्यों नहीं आता? मेरा जवाब होता है, आप इसके अलावा यह भी तो कह सकते हैं कि आप कितने पॉजिटिव हैं! यह कहना है ब्रैंडन वैलेस का। वे अमेरिकी सरकार में पॉलिसी एडवाइजर के तौर पर कार्यरत हैं। अपनी सरकारी जिम्मेदारियों के अलावा, वे युवाओं से जुड़े मसलों पर भी सक्रिय हैं। खास तौर पर इस दिशा में कि युवाओं को शांति और सामाजिक बदलाव में योगदान देने के लिए कैसे प्रेरित किया जाए।
वे कहते हैं, कोई समस्या आपके सामने आती है, तो दो ही विकल्प होते हैं आपके पास। या तो आप समस्याओं से जूझें, दुख-दर्द का अनुभव करें या फिर इन सबका पूर्वानुमान लगाकर पलायन कर जाएं। मैं दर्द लेता हूं क्योंकि यह हमें अंतत- स्थिर करता है। हममें ठहराव लाता है और इस ठहराव का चयन हमेशा सकारात्मक मिजाज का व्यक्ति ही कर सकता है।

फोकस खुद पर

जिनकी सोच सकारात्मक होती है, वे हमेशा अपनी गलतियों की तरफ देखते हैं। उनमें सुधार के बारे में चिंतन करते हैं। वे रुकी हुई घड़ी को भी देखकर यह कहना जानते हैं कि देखो, यह घड़ी नहीं चल रही लेकिन यह रोज दो बार सही वक्त बता पाने में सक्षम है। ब्रिटेन की अभिनेत्री फागुन ठकरार बचपन से अभिनेत्री बनना चाहती थीं, पर उनके पैरेंट्स की इच्छा थी कि वे डॉक्टर बनें। वे डॉक्टर बनीं भी, मगर बाद में कड़ी मेहनत करते हुए उन्होंने अपना सपना भी पूरा किया। आज वे डॉक्टर ही नहीं, एक्टर, डायरेक्टर, राइटर और फैशन डिजाइनर भी हैं। बहुआयामी व्यक्तित्व की धनी फागुन कहती हैं, मैं इस बात की परवाह नहीं करती कि लोग क्या सोचेंगे। मैं हमेशा इसका ध्यान रखती हूं कि मैं अपना बेस्ट दे सकूं। अपने काम के दौरान मैंने बहुत सारी मुश्किलें झेली हैं। लीक से हटकर सोचना और करना आसान नहीं, लेकिन मेरे पास जादू की छड़ी है और वह है सकारात्मक सोच।

गाजा में सीजफायर पर हमास सहमत

आधे इजराइली कैदियों को रिहा करेगा; नेतन्याहू बोले थे- सभी को छोड़े तभी समझौता होगा

एजेंसी

हमास ने गाजा में सीजफायर और इजराइली बंधकों की रिहाई के समझौते पर सहमति जताई है। अमेरिका, मिस्र और कतर की मध्यस्थता के बाद यह प्रस्ताव अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ ने जून में पेश किया था। इसके तहत शुरूआती 60 दिनों के सीजफायर के दौरान, हमास जिंदा बचे इजराइली कैदियों को दो चरणों में रिहा करेगा। साथ ही स्थायी युद्धविराम पर बातचीत होगी। हालांकि, इसपर अब तक इजराइल की प्रतिक्रिया नहीं आई है। इससे पहले 12 अगस्त को नेतन्याहू ने कहा था कि वह किसी समझौते को तभी स्वीकार करेगा जब सभी बंधकों को एक बार में रिहा कर दिया जाएगा। वहीं, रविवार को हजारों इजराइली लोगों ने विरोध प्रदर्शन कर नेतन्याहू से हमास के साथ समझौता कर गाजा जंग खत्म करने और कैदियों को रिहा कराने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने सड़कें जाम कर दी और आगजनी की, जिसके कारण 38 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। वहीं, इजराइल

की कैबिनेट ने 8 अगस्त को गाजा सिटी पर कब्जे की योजना को मंजूरी दी थी। साथ ही नेतन्याहू ने गाजा के सभी हिस्सों पर कब्जा करने और इसे हथियारों से मुक्त करने की घोषणा की। दूसरी ओर, हमास ने सभी बंधकों के बदले इजराइली जेलों में बंद फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई, युद्ध समाप्ति और इजराइली सेना की पूरी वापसी की मांग की है। इससे पहले हमास ने कतर और मिस्र की बात मानने से मना कर दिया था। हमास और इजराइल के बीच इजरायली सैनिकों की वापसी, गाजा में सहायता वितरण और स्थायी युद्धविराम जैसे मुद्दों पर गहरे मतभेद बने हुए थे। रॉयटर्स के मुताबिक, इजराइल ने हमास के हथियार डालने और गाजा में उसके शासन के अंत पर जोर दिया, जबकि हमास ने इजराइली सेना की पूर्ण निकासी और फिलिस्तीनी राज्य की मान्यता की मांग रखी। इजराइल की योजना का मकसद गाजा शहर में उन इलाकों में घुसना है, जहां हमास के कब्जे में अभी भी कई बंधक होने की आशंका है। ये वो इलाके हैं जहां अब तक इजराइली सेना ने बड़े पैमाने पर कार्रवाई नहीं की है। इजराइली सेना (आईडीएफ) का कहना है कि गाजा के लगभग 75% हिस्से पर उसका नियंत्रण है। गाजा पट्टी उस 25% इलाके में है, जो आईडीएफ के कब्जे में नहीं हैं। इससे पहले नेतन्याहू ने पूरी गाजा पट्टी पर कब्जे की बात कही थी, लेकिन हालिया बयान में केवल गाजा सिटी का जिक्र है। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने शुक्रवार को ऐलान किया कि जर्मनी अगले आदेश तक इजराइल को गाजा जंग में इस्तेमाल होने वाले हथियारों की सप्लाई नहीं करेगा। इजराइल पर जंग के दौरान गाजा में निर्दोष लोगों को मारने के कई आरोप लगे हैं। इस वजह से जर्मनी ने अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के मद्देनजर यह कदम उठाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब तक गाजा जंग में 60 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र ने रविवार को चेतावनी दी कि गाजा में भुखमरी अब नियंत्रण से बाहर है। हमास के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि शनिवार को 24 घंटों में कुपोषण से सात लोग मारे गए, जिनमें दो बच्चे शामिल हैं। युद्ध शुरू होने के बाद से कुपोषण से मरने वालों की संख्या 170 हो गई है, जिनमें 95 बच्चे हैं।

गाजा में कुल 62 हजार से अधिक लोग मारे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, मई 2025 से जीएचएफ के सहायता स्थलों के पास 1,353 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं, जिनमें से कई भोजन की तलाश में थे।

बारिश-तूफान ने तोड़ दी पाकिस्तान की कमर

पावर सप्लाई ठप,यातायात बाधित, अधिकारियों ने घोषित किया आपातकाल

एजेंसी

कराची के विभिन्न इलाकों में भारी बारिश के कारण बिजली गुल हो गई और यातायात बाधित हो गया, जिसके कारण स्थानीय अधिकारियों ने बारिश संबंधी आपातकाल घोषित कर दिया। कराची यातायात पुलिस द्वारा सुबह 8:11 बजे जारी एक यातायात परामर्श के अनुसार, बारिश के कारण शहर की प्रमुख सड़कों, जिनमें शरिया फैसल और राष्ट्रीय राजमार्ग शामिल हैं, पर यातायात काफी धीमा हो गया। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, परामर्श में नागरिकों से सावधानी से वाहन चलाने, अचानक ब्रेक लगाने से बचने, धीमी

गति बनाए रखने और अन्य वाहनों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने का आग्रह किया गया है। सिंध के मुख्य सचिव आसिफ हैदर शाह ने जिला प्रशासन, सिंध प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए), स्वास्थ्य विभाग और बचाव दल 1122 को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। डॉन के अनुसार, उन्होंने बारिश के पानी की तत्काल निकासी और पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग (पीएमडी) और पीडीएमए के साथ निकट समन्वय का आदेश देते हुए कहा कि सभी उपायुक्त अपने कर्मचारियों के साथ मैदान में मौजूद रहें। पीएमडी ने दिन भर रुक-रुक कर बारिश जारी रहने का अनुमान लगाया है, न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और आर्द्रता 85 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, सुबह 8 बजे तक, सादी टाउन में सबसे अधिक 35.8 मिमी बारिश दर्ज की गई, उसके बाद गुलशन-ए-मयमार में 33.3 मिमी, नाज़िमाबाद में 26 मिमी और शहर के अन्य हिस्सों में 1 मिमी से 7 मिमी के बीच बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा, कराची के मेयर मुर्तजा वहाब ने एक अधिसूचना जारी कर बारिश की आपात स्थिति घोषित कर दी है और आवश्यक सेवाओं से जुड़े विभागों की सभी तरह की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। आदेश में नगरपालिका सेवाओं, अग्निशमन विभाग और शहरी खोज एवं बचाव (वरअफ) को एक वर्षा आपातकालीन प्रकोष्ठ स्थापित करने का निर्देश दिया गया है।

ट्रंप के चक्कर में पड़े मुनीर को झटका

पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी ने 'खेल' ही पलट दिया

'जीजीरो' मीडिया से बात करते हुए हिना ने कहा कि मुझे लगता है कि अमेरिका ने पाकिस्तान को सिर्फ. भारतीय नजरिए से देखना शुरू कर दिया है। अमेरिका, जो पाकिस्तान के प्रति बेहद आक्रामक है, उसे पाकिस्तान को भारतीय नजरिए से नहीं देखना चाहिए।

एजेंसी

पाकिस्तान और अमेरिका के बीच नजदीकियाँ बढ़ रही हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद, पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर समेत कई नेता बार-बार अमेरिका का दौरा कर चुके हैं और लगातार राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तारीफ कर रहे हैं। एक तरफ पाकिस्तान अमेरिका का विश्वास जीतने की पुरजोर कोशिश कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान की पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार ने अपने देश के प्रति अमेरिका के रवैये पर आपत्ति जताई है। हिना रब्बानी ने कहा कि अमेरिका को दक्षिण एशिया के प्रति अपने राजनीतिक दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करना चाहिए और पाकिस्तान को भारत के साथ अपने संबंधों के चश्मे से नहीं देखना चाहिए। 'जीजीरो' मीडिया से बात करते हुए हिना ने कहा कि मुझे लगता है कि अमेरिका ने पाकिस्तान को सिर्फ. भारतीय नजरिए से देखना शुरू कर दिया है। अमेरिका, जो पाकिस्तान के प्रति बेहद आक्रामक है, उसे पाकिस्तान को भारतीय नजरिए से नहीं देखना चाहिए। विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार ने बातचीत के दौरान भारत पर भी निशाना साधा। हिना ने कहा कि मई 2025 में पाकिस्तान पर हमला करके भारत ने एक नया मानदंड स्थापित करने की कोशिश की है। यह पूरे क्षेत्र के लिए एक खतरनाक स्थिति बन सकती है। उन्होंने कहा कि दक्षिण एशिया में आतंकवाद की घटनाएँ लगातार देखने को मिल रही हैं। ऐसे में किसी भी देश को आतंकवादी घटना होने पर दूसरे देश पर मिसाइल हमला करने का अधिकार नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की मेजबानी की। यह एक अभूतपूर्व मुलाकात थी, जिसमें राष्ट्रपति के इस दावे पर भारत के साथ मतभेद बढ़ने का खतरा था कि उन्होंने पिछले महीने परमाणु हथियारों से लैस दक्षिण एशियाई दुश्मनों के बीच संघर्ष को रोका था। ट्रंप मुनीर की लंच पार्टी पहली बार देखने को मिली। जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख, जिन्हें देश का सबसे शक्तिशाली व्यक्ति माना जाता है, की व्हाइट हाउस में वरिष्ठ पाकिस्तानी असैन्य अधिकारियों के बिना मेजबानी की।

रूस-यूक्रेन में फिलहाल सीजफायर नहीं

ट्रम्प ने मीटिंग रोक पुतिन को फोन किया; यूक्रेन सिक्योरिटी गारंटी के बदले 8 लाख करोड़ के अमेरिकी हथियार खरीदेगा

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोमवार को व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और यूरोपीय लीडर्स के साथ मीटिंग की। इसमें रूस-यूक्रेन के बीच सीजफायर पर सहमति नहीं बनी। ट्रम्प ने कहा कि फिलहाल इतनी जल्दी सीजफायर संभव नहीं है। हालांकि, मीटिंग में यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी पर चर्चा हुई। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और यूरोपीय देश मिलकर

इस पर काम करेंगे। वहीं, रूसी राष्ट्रपति ऑफिस (क्रेमलिन) ने बताया कि ट्रम्प ने मीटिंग रोककर पुतिन से फोन पर 40 मिनट बात की। इस दौरान पुतिन ने रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधियों के बीच सीधे बातचीत का समर्थन किया। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने बताया कि ट्रम्प के साथ फोन पर बातचीत के दौरान पुतिन 15 दिन के भीतर जेलेंस्की से मुलाकात को राजी हो गए। मीटिंग के बाद जेलेंस्की ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बताया कि यूक्रेन सुरक्षा गारंटी के बदले यूरोप के पैसों से 90 अरब डॉलर (करीब 8 लाख करोड़ रुपए) के अमेरिकी हथियार खरीदेगा।

राहुल गांधी किसी हमले से नहीं डरते...

एसआईआर विवाद के बीच प्रियंका गांधी की हुंकार

एजेंसी

चुनाव आयोग के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बढ़ते विरोध के बीच, कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को दोहराया कि विधानसभा और लोकसभा चुनावों में कथित वोट चोरी संविधान की हत्या है।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को चुनाव आयोग को 'वोट चोरी' के विवादास्पद मुद्दे पर सफाई देने की कड़ी चुनौती दी और चुनाव आयोग पर जवाबदेही से बचने का आरोप लगाया। उन्होंने राहुल गांधी की बहादुरी की भी प्रशंसा की और कहा कि वह किसी भी हमले से विचलित नहीं होते और विचलित करने वाली परिस्थितियों के बावजूद पीछे नहीं हटेंगे। कांग्रेस सांसद ने संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए कहा, इस 'वोट चोरी' मुद्दे पर, उन्हें (चुनाव आयोग) जनता को सच्चाई बतानी चाहिए। राहुल जी किसी हमले से नहीं डरते, सह लेंगे, सब कुछ और पीछे नहीं हटेंगे। क्योंकि वे राहुल जी द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब नहीं दे पा रहे हैं, इसलिए वे हलफनामे, नेहरू जी और इंदिरा जी के बारे में बात करने लगते हैं। चुनाव आयोग के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बढ़ते विरोध के बीच, कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को दोहराया कि विधानसभा और लोकसभा चुनावों में कथित वोट चोरी संविधान की हत्या है। उन्होंने कहा कि अगर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस तरह की चुनावी गड़बड़ी के जरिए सत्ता पर बैठते हैं तो लोकतंत्र को नुकसान होगा। यह कहते हुए कि पार्टी वोटों की हेराफेरी, चोरी और छेड़छाड़ के खिलाफ लोगों को आगाह करने के लिए माहौल बनाना चाहती है, खड़गे ने संसद के बाहर संवाददाताओं से कहा कि हमारी पार्टी का यह रुख है कि हम देश भर में वोटों की चोरी, हेराफेरी और छेड़छाड़ के खिलाफ माहौल बनाना चाहते हैं, कि लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि अगर वे इस तरह की चोरी करके गद्दी पर बैठते हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए फायदेमंद नहीं है। यह संविधान की हत्या है। इससे पहले, आज, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भारत के चुनाव आयोग और बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान पर लगे 'वोट चोरी' के आरोपों के खिलाफ संसद भवन के बाहर अपना विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया। विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे, सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य प्रमुख नेता मौजूद रहे। चुनाव आयोग द्वारा बिहार में वोट चोरी के आरोपों और रकफ पर स्पष्टीकरण देने के बाद से विरोध प्रदर्शन जारी है।

अखिलेश यादव का चुनाव आयोग पर हमला, दिखाई हलफनामे की कॉपी

वोट चोरी पर संसद परिसर में प्रदर्शन

बिहार में एसआईआर प्रक्रिया पर संसद में गतिरोध लगातार जारी है. विपक्ष ने मंगलवार को भी एसआईआर प्रक्रिया में गड़बड़ी और 'वोट चोरी' के आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन किया.

एजेंसी

बिहार में एसआईआर प्रक्रिया पर संसद में गतिरोध लगातार जारी है. विपक्ष ने मंगलवार को भी एसआईआर प्रक्रिया में गड़बड़ी और 'वोट चोरी' के आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन किया. इसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सांसद प्रियंका गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव समेत 'इंडिया' ब्लॉक के नेता शामिल थे. बिहार में एसआईआर प्रक्रिया पर संसद में गतिरोध लगातार जारी है. विपक्ष ने मंगलवार को भी एसआईआर प्रक्रिया में गड़बड़ी और 'वोट चोरी' के आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन किया. इसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सांसद प्रियंका गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव समेत 'इंडिया' ब्लॉक के नेता शामिल थे. समाजवादी पार्टी के सांसद और प्रमुख अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत में हलफनामों की प्रतियां दिखाईं. उन्होंने कहा कि हमने हलफनामे दिए हैं और ईमेल भेजे हैं. ईमेल भेजने के बावजूद 18,000 लोगों को वोट नहीं करने दिया गया और उनके नाम काट दिए गए. कई जगहों पर एफआईआर दर्ज की गई हैं, लेकिन प्रशासन दबाव बना रहा है.

समाजवादी पार्टी के सांसद और प्रमुख अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत में हलफनामों की प्रतियां दिखाईं. उन्होंने कहा कि हमने हलफनामे दिए हैं और ईमेल भेजे हैं. ईमेल भेजने के बावजूद 18,000 लोगों को वोट नहीं करने दिया गया और उनके नाम काट दिए गए. कई जगहों पर एफआईआर दर्ज की गई हैं, लेकिन प्रशासन दबाव बना रहा है.

अखिलेश यादव ने कहा

अखिलेश यादव ने कहा, ₹उत्तर प्रदेश में उपचुनावों के दौरान वोटों की 'डकैती' हुई और पुलिस ने इसमें मदद की. इसके हमने हलफनामे हमारे पास हैं. चुनाव आयोग को 18,000 हलफनामे दिए हैं. अगर चुनाव आयोग एक पर भी कार्रवाई करता है, तो एक भी वोट नहीं छूटेगा. इस दौरान, समाजवादी पार्टी के सांसद वीरेंद्र सिंह ने भी चुनाव आयोग पर सवाल उठाए. उन्होंने कहा,इस दौरान, समाजवादी पार्टी के सांसद वीरेंद्र सिंह ने भी चुनाव आयोग पर सवाल उठाए. उन्होंने कहा, ₹हम एसआईआर के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन जिस तरह से चुनाव आयोग सरकार के साथ मिलकर इसे संचालित कर रहा है, वह निष्पक्ष नहीं है.

प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा से पहले सरकार को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए: असदुद्दीन ओवैसी

ओवैसी ने पीएम मोदी की आगामी चीन यात्रा को लेकर सवाल खड़े किए हैं. उन्होंने मोदी सरकार से चीन पर रुख स्पष्ट करने को कहा.

एजेंसी

नई दिल्ली: एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को सरकार से आग्रह किया कि वह प्रधानमंत्री की आगामी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से पहले चीन पर अपने रुख को स्पष्ट करे. एक्स पर एक पोस्ट में ओवैसी ने कहा, 'चीन पर मोदी सरकार के यू-टर्न को लेकर कई सवाल हैं, जिनके जवाब दिए जाने चाहिए. प्रधानमंत्री की चीन यात्रा से पहले सरकार को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए.' गौरतलब है कि चीन ने इस साल 31 अगस्त से 1 सितंबर तक एससीओ तियानजिन शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री मोदी का चीन में आने का स्वागत किया है. चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा, 'चीन एससीओ तियानजिन शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री मोदी का चीन में स्वागत करता है. हमारा मानना है कि सभी पक्षों के सम्मिलित प्रयास से तियानजिन शिखर सम्मेलन एकजुटता, मैत्री और सार्थक परिणामों का एक सम्मेलन होगा. साथ ही एससीओ अधिक एकजुटता, समन्वय और उत्पादकता के साथ उच्च गुणवत्ता वाले विकास के एक नए चरण में प्रवेश करेगा.' एआईएमआईएम प्रमुख ने चीन द्वारा पाकिस्तान को दिए गए समर्थन पर गहरी चिंता व्यक्त की.

संसद में तमिलनाडु सरकार पर बरसे शिवराज सिंह चौहान

बोले- गरीब लोगों के साथ हो रहा है अन्याय

आंध्र प्रदेश से टीडीपी सांसद लवू श्री कृष्ण देवरायलु द्वारा तमिलनाडु में प्रधानमंत्री आवास योजना पर पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान कहा कि मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने तमिलनाडु में गरीब लोगों के लिए घर बनाने के लिए बजट आवंटित किया है।

एजेंसी

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को तमिलनाडु सरकार पर केंद्र से 608 करोड़ रुपये मिलने के बावजूद प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत लोगों को कथित तौर पर 5 लाख से ज्यादा घर न देने का आरोप लगाया। यह कहते हुए कि गरीब लोगों के साथ अन्याय हो रहा है, मंत्री चौहान ने आरोप लगाया कि तमिलनाडु राज्य सरकार ने लोगों को 2 लाख 15 हजार घर नहीं दिए हैं और बजट में आवंटन के बावजूद 3 लाख 15 हजार घरों का निर्माण नहीं किया गया है। ग्रामीण

विकास मंत्री ने आगे आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने 2024 में उचित घरों की जरूरत वाले लोगों की पहचान के लिए आवश्यक सर्वेक्षण नहीं कराया। आंध्र प्रदेश से टीडीपी सांसद लवू श्री कृष्ण देवरायलु द्वारा तमिलनाडु में प्रधानमंत्री आवास योजना पर पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान कहा कि मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने तमिलनाडु में गरीब लोगों के लिए घर बनाने के लिए बजट आवंटित किया है। लेकिन यह अन्याय की पराकाष्ठा है कि एक साल से भी ज्यादा समय से 2 लाख 15 हजार से ज्यादा लोगों को घर नहीं दिए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि करीब 3 लाख 10 हजार घर अभी तक पूरे नहीं हुए हैं, पैसा दिया जा चुका है, 608 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं, यह तमिलनाडु सरकार के खाते में पड़ा है, लेकिन वे घर स्वीकार नहीं कर रहे हैं, उनका निर्माण नहीं कर रहे हैं। विपक्ष के लगातार विरोध प्रदर्शन के बीच, जिसमें कई सांसद सदन के वेल में नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के सांसद लावू श्रीकृष्ण देवरायलु ने केंद्रीय मंत्री चौहान से तमिलनाडु में पीएम आवास योजना के तहत स्वीकृत घरों की संख्या, बजट आवंटन और किसी भी नियोजित सर्वेक्षण के बारे में पूछा।